MUMBAI TARANG
संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-13 ❖ मुंबई ❖ रविवार 19 से 25 मार्च 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-
RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

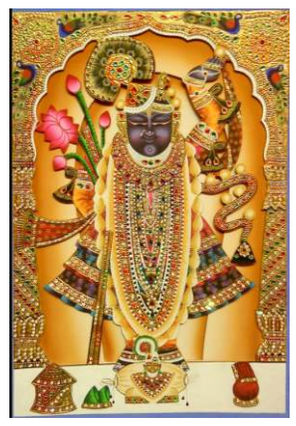

पेज 3

बच्चू कडू के बयान पर कांग्रेस ने असम में सरकार को घेरा

पेज 5

मोदी सबसे बड़े कद के नेता, पूर्वोत्तर में राजनितिक दलों को उनका समर्थन करना ही होगा : हिमंत

पेज 7

ऑस्कर के मंच पर दीपि का के होने की खबर से फैंस खुश

पेज 8

शाह ने गुजरात में 154 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन, अटउ और अवउ्अ को किया संबोधित

एक नजर

रूसी हैकर्स ने स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट को बनाया निशाना

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत कार्य करने वाले 'भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल' (सीईआरटी-इन) को एक रूसी हैकर समूह द्वारा मंत्रालय की वेबसाइट को कथित रूप से हैक करने के प्रयास की जांच करने के लिए कहा है। 'क्लाउड-एसईके' के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने दावा किया है कि रूसी हैकर समूह 'फीनिक्स' ने स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट को निशाना बनाया और मंत्रालय के स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली पोर्टल तक पहुंचने में कामयाब रहा और समूह के पास भारत के सभी अस्पतालों, कर्मचारियों और चिकित्सकों का विवरण पहुंच गया है।

जजों की 216 रिक्तियों पर कॉलेजियम से कोई सिफारिश नहीं मिली

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि विभिन्न उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के 334 पद रिक्त हैं और कॉलेजियम द्वारा की गई 118 सिफारिशें प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं, वहीं 216 रिक्तियों के संबंध में अभी कोई सिफारिशें नहीं मिली हैं। विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजीजू ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने अपने जवाब में कहा, 10 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार उच्चतम न्यायालय में कोई रिक्ति नहीं है।

150 यात्रियों को 'नो फ्लाई लिस्ट' में रखा गया : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को लोकसभा को बताया कि चालू वर्ष सहित पिछले पांच वर्ष के दौरान उड़ान के दौरान अभद्र व्यवहार करने को लेकर कुल 150 यात्रियों को 'नो फ्लाई लिस्ट' में रखा गया है। लोकसभा में पी पी चौधरी, रमापति राम त्रिपाठी, बृजभूषण शरण सिंह, प्रताप चंद्र सारंगी, के सुरेश, अनुराग शर्मा और संगम लाल गुप्ता के प्रश्न के लिखित उत्तर में नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह जानकारी दी। सिंधिया ने बताया कि अभद्र व्यवहार करने वाले यात्रियों के संबंध में नागर विमानन अपेक्षाओं के अनुसार गठित एयरलाइन आंतरिक समिति द्वारा अनुशंसित अवधि के लिए 2022 के दौरान कुल 63 यात्रियों को 'नो फ्लाई लिस्ट' में रखा गया है।

महारेरा का रजिस्ट्रेशन न करके घर बेचने का विज्ञापन करने वाले 14 बिल्डर को कारण बताओ नोटिस

मुंबई। महारेरा में पंजीकरण के बिना घर बेचने वाले बिल्डरों पर बड़ी कार्रवाई की है। महारेरा ने बिना रजिस्ट्रेशन के घर बेचने वाले बिल्डरों के खिलाफ सो मोटो कार्रवाई करते हुए बिल्डरों को सात दिन के भीतर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि बिल्डरों को अपने परियोजनाओं को शुरू करने के बाद महारेरा में उसका रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य किया गया है। राज्य सरकार ने आम नागरिकों के खरीद फरोख्त में बिल्डरों द्वारा किए जाने वाले गैरव्यवहार पर लगाम लगाने के लिए महारेरा की स्थापना की। राज्य सरकार ने मेहारेरा को बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई करने का पूरा अधिकार दिया हुआ है। बिल्डरों को अपने घर बेचने के लिए महारेरा में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है जिसका फायदा बिल्डर और घर खरीददार दोनो को है। राज्य में 500 सकव्यार मीटर से बड़ा किसी भी भूखंड पर होने वाले निर्माण जिसमे 8 घर तैयार हो रहे हो सभी को महारेरा में पंजीकरण करना अनिवार्य है। महारेरा के तहत घर खरीददार को घर की कुल कीमत का 10 प्रतिशत पैसा देना अनिवार्य किया गया है। महारेरा ने पाया कि मुंबई सहित राज्य के कुछ शहरों में बिना रजिस्ट्रेशन के बिल्डर लोगो को घर बेच रहें है। इतना ही नही घर बेचने के लिए विज्ञापन भी कर रहे है। महारेरा ने ऐसे बिल्डरों पर कार्रवाई करने के लिए सो मोटो का सहारा लेते हुए मुंबई के 5 बिल्डरों सहित पुणे और नागपुर के तीन नाशिक के 2 और एक औरंगाबाद के बिल्डर को नोटिस देने का काम किया है।

किसानों को उनके हाल पर नहीं छोड़ेंगे

➔ विधानसभा में मुख्यमंत्री का आश्वासन
➔ बेमौसम बारिश के नुकसान का पंचनामा शुरू

मुंबई। राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि बेमौसम बारिश से परेशान किसानों को उनके हाल पर नहीं छोड़ा जाएगा। बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का पंचनामा शुरू है। इस बारे में नांदेड़ और नाशिक के जिलाधिकारी से बातचीत कर उन्हें आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इसके पहले नियम, मापदंड को बाजू में रखते हुए किसानों की मदद की गई है और यह किसानों की सरकार है।

प्रश्नकाल शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने बेमौसम बारिश से किसानों को हुए नुकसान का मुद्दा उपस्थित किया था। इसके जवाब में शिंदे ने कहा कि बेमौसम बारिश से हुए नुकसान को लेकर गुरुवार को उनकी नांदेड और नाशिक के कलेक्टर से बातचीत हुई है। उन्हें तत्काल नुकसान का पंचनामा करने के निर्देश दिए गए हैं। नुकसान की रिपोर्ट जल्द से जल्द सरकार को मिलेगी।पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश से हुए नुकसान के पंचनामे का काम लगभग पूरा हो गया है। गुरुवार को जिन इलाकों में बारिश हुई है, वहां भी पंचनामे का काम शुरू है।

इसके पहले नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने सदन में आक्रामक तरीके से यह मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश सहित ओला गिरने से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। किसानों की समस्याओं पर सरकार असंवेदनशील है और सरकारी मशीनरी पूरी तरह ठप्प है। राज्य में फसलों सहित फलों के बगीचों को बड़ा नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। आज भी कई जगहों पर पंचनामा का काम शुरू नहीं है। राज्य में सरकारी कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से प्रशासन ठप्प है। बाजार भाव नहीं मिलने और बेमौसम बारिश के दोहरे संकट में फंसे किसान पंचनामा नहीं होने से तिहरे संकट में फंसे हुए हैं। इस दौरान अजित पवार ने कृषि मंत्री पर भी निशाना साधा।

महिला यात्रियों को किराए में 50% की छूट

मुंबई। पिछले 9 मार्च को महाराष्ट्र विधानमंडल में बजट पेश करते हुए उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महिलाओं के लिए एसटी की सभी बसों के किराए में 50% की छूट (50% off) देने की घोषणा की थी। शुक्रवार 17 मार्च को एसटी महामंडल ने इस घोषणा पर अमल करते हुए महिलाओं को सभी तरह की बसों के किराए में 50 प्रतिशत छूट देने की योजना शुरू की है। एसटी महामंडल के स्तर पर इसे "महिला सम्मान योजना" के रूप में जाना जाएगा। महामंडल को इस योजना की प्रतिपूर्ति राशि राज्य सरकार से मिलेगी। राज्य शासन ने एसटी महामंडल के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के लिए किराए में 33% से 100% की छूट प्रदान की है। इसके पहले आजादी के अमृत महोत्सव (nectar festival) के अवसर पर राज्य शासन ने 75 साल से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की है। साथ ही 65 से 75 उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को किराए में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की है। इस अनुसार दोनों ही वर्ग को बस किराए में छूट दी जा रही है।इस छूट की प्रतिपूर्ति रकम राज्य सरकार की तरफ से महामंडल को मिल रही है। महिला सम्मान योजना महिलाओं को साधारण, मिडी, मिनी, निम आराम, नान एसी, सीटिंग- स्लीपर, शिवशाही (सीटिंग), शिवनेरी, शिवाई (साधारण-एसी) में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह छूट भविष्य में एसटी महामंडल के बेडे में शामिल होने वाली सभी तरह की बसों में मिलेगी। छूट केवल महाराष्ट्र राज्य की सीमा में ही मिलेगी। शहरी परिवहन पर यह छूट नहीं मिलेगी। जिन महिलाओं ने एसटी महामंडल की बसों में अग्रिम आरक्षण कराया है, उन्हें किराए की 50 फीसदी रकम वापस मिलेगी।

किसान रहेंगे तो राज्य रहेगा: अजित पवार

महाराष्ट्र में किसानों का मुद्दा हर दिन गरमाता हुआ दिखाई दे रहा है. महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में बेमौसम बारिश हुई है. इस बारिश से कृषि फसलों को भारी नुकसान हुआ है. इसलिए सदन में विपक्ष ने इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अख्तियार किया. विपक्ष ने मांग कि, किसानों को मदद मिलनी चाहिए. एबीपी मांझा के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने राय व्यक्त करते हुए कहा, किसानों के नुकसान के मुद्दे को गंभीरता से लेने की जरूरत है. किसान बचेगा तो राज्य बचेगा. अजित पवार ने कहा कि सरकार को उसी हिसाब से काम करना चाहिए. उनकी मांग पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जवाब दिया है. सीएम एकनाथ ने दिया ये जवाब अजित पवार ने सभागार में मांग की कि सरकार को किसानों को और मदद देनी चाहिए. इसका जवाब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिया है.

मुंबई में जल्द शुरू होगा अर्ली इन्टरव्हेन्शन सेंटर

विधानपरिषद में मंत्री उदय सामंत ने दी जानकारी

मुंबई। मंत्री उदय सामंत ने कहा कि विशेष बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिएमुंबई मनपा के अंतर्गत प्रस्तावित अर्ली इंटरवेंशन सेंटर अगले 3 महीनों में शुरू कर दिया जाएगा। शुक्रवार को विधान परिषद सदस्य सचिन अहीर ने ध्यानकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से अर्ली इंटरवेंशन केंद्र शुरू करने का मुद्दा उठाया था. सामंत ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भवन में निर्माण मरम्मत एवं शीघ्र हस्तक्षेप के कार्य पूर्ण रूप से बंद कर दिये गये. हालांकि, ये काम कोविड के बाद शुरू किए गए हैं। इस अर्ली इंटरवेंशन सेंटर में इलाज के लिए आने वाले विकलांग बच्चों की प्रकृति और मानसिक स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में ऐसे बच्चों के लिए रैंप, विशेष शौचालय और सुरक्षात्मक दीवार आदि का निर्माण कार्य चल रहा है.

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की बढ़ी टेंशन ! दिव्य दरबार शुरू होने से पहले पुलिस ने आयोजकों को भेजा नोटिस

मुंबई में बागेश्वर धाम वाले पंडित धीरेंद्र शास्त्री का दो दिवसीय दरबार शुरू होने जा रहा है. मीरा रोड पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से उनके करीब 1 लाख भक्तों के पहुंचने की उम्मीद है. बाबा के दर्शन के लिए भक्तगण सुबह से ही लाइनों में लगकर अंदर जाने का इंतजार कर रहे हैं. लेकिन दरबार शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले मीरा रोड़ पुलिस ने दिव्य दरबार के आयोजकों को CrPC-149 का नोटिस भेज दिया है. इस नोटिस में मीरा रोड पुलिस (Mira Road Police) की तरफ से कहा गया है कि, 'कार्यक्रम में लोगों की भारी उम्मीद उमड़ सकती है ऐसे में वहां की कानून व्यवस्था बनाए रखना आयोजकों की जिम्मेदारी होगी. बाबा बागेश्वर इसके पहले भी संत तुकाराम महाराज जी के बारे में बोल चुके हैं. ऐसी कोई बयानबाजी न की जाए जिससे कि लोगों की भावना आहत हो, इसका भी ख्याल आयोजकों को रखना होगा.' बताते चलें कि बागेश्वर बाबा आज शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक भक्तों को दिव्य दरबार में दर्शन देंगे. बता दें कि धीरेंद्र शास्त्री अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने में जुटे हैं. शुक्रवार की देर रात धीरेंद्र शास्त्री महाराष्ट्र में 'महादिव्य दरबार' लगाने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे थे. इस दौरान एयरपोर्ट पर सैकड़ों की संख्या में मौजूद उनके भक्तों ने उनका जोरदार स्वागत किया था. भक्तों ने 'जय श्री राम' के नारों के साथ पंडित धीरेंद्र शास्त्री का अभिवादन किया था. गौरतलब है कि मुंबई से लगे मीरा रोड क्षेत्र में 18 और19 मार्च को बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री का "महादिव्य दरबार" सजेगा.

अमेरिका का साथ

सेनेटर बिल हैगर्टी ने एक प्रस्ताव में कहा है कि अमेरिका मैकमोहन रेखा को चीन और अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता देता है, साथ ही अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न हिस्सा मानता है। अमेरिकी सीनेट में लाए गए एक प्रस्ताव के मुताबिक, मैकमोहन लाइन ही चीन और भारत के अरुणाचल प्रदेश के बीच की अंतरराष्ट्रीय सीमा है। यानी अमेरिका ने साफ तौर पर रेखांकित किया है कि उसकी नजर में अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि इसमें कोई नई बात नहीं है। भारत शुरू से यह कहता रहा है। मगर अमेरिका की ओर से यह बात ऐसे समय कही गई है, जब ताकत के जोर पर सीमा विस्तार की चीनी कोशिशें अधिकाधिक मुखर होती जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने न केवल इस बात पर गौर किया है बल्कि उसकी इस प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाने के प्रयास भी लगातार किए जा रहे हैं। अमेरिकी सीनेट में लाए

गए इस प्रस्ताव को भी इन्हीं प्रयासों के एक हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। प्रस्ताव में इस बात का जिक्र है कि कैसे अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत के हिस्से के रूप में दिखाने के लिए चीन की ओर से नए हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। इनमें लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) के इर्दगिर्द यथास्थिति को बदलने के लिए ताकत का इस्तेमाल करना, अरुणाचल प्रदेश के इलाकों के मंदारिन नाम वाले मैप प्रकाशित करना, भूटान में चीनी क्षेत्र के विस्तार का दावा करना और सीमावर्ती क्षेत्रों के विवादित इलाकों में गांव बसाना जैसे कदम शामिल हैं। इन कदमों के साथ साउथ चाइना सी और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भी चीन की आक्रामकता बढ़ रही है। ऐसे में स्वाभाविक ही भारत और अमेरिका सहित तमाम देशों ने नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर अमल सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने शुरू किए। सीनेट के इस प्रस्ताव में भारत की ओर से इस सिलसिले में उठाए गए कदमों का न सिर्फ उल्लेख किया गया है बल्कि इनके प्रति अमेरिका का समर्थन भी दोहराया गया है। यह मौजूदा नीतियों में किसी बदलाव का नहीं बल्कि उसे और मजबूत बनाने का संकेत है। इसकी जरूरत संभवतः इसलिए महसूस की गई क्योंकि अब तक के संकेतों को चीन गंभीरता से लेता नहीं दिख रहा।

अमेरिका और पश्चिमी देशों की नाखुशी के बावजूद उसने रूस के साथ नजदीकियां और बढ़ाने का संकेत दिया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के तीसरा कार्यकाल हासिल करने के अगले दिन पेइचिंग में ही ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध बहाल किए जाने की घोषणा कराकर चीन ने संकेत दिया कि वह अपना रुतबा लगातार बढ़ा रहा है। ऐसे में स्वाभाविक ही अमेरिकी नीति-निर्माताओं को चीन की घेराबंदी और तेज करने की जरूरत महसूस हो रही होगी। बहरहाल, जहां तक भारत का सवाल है तो यह एक पॉजिटिव कदम जरूर है, लेकिन उसे अपने ठोस दीर्घकालिक हितों पर आधारित स्वतंत्र नीति पर चलना जारी रखना होगा।

ऑर्गन डोनेशन नीति बदली, क्या होगा असर

भारत में अंग प्रत्यारोपण की सबसे ज्यादा डिमांड किडनी या लिवर के लिए है। हार्ट और फेफड़ों का ट्रांसप्लांट अपने यहां रेयर है। भारत में ट्रांसप्लांट की जितनी अधिक डिमांड है, उस हिसाब से सप्लाई बहुत कम है। इसकी कुछेक वजहें हैं। अपने देश में इसे लेकर जागरूकता की कमी है। ऑर्गन डोनेशन के लिए कई देशों में ऑप्ट आउट पॉलिसी है। वहां का हर नागरिक अपने ऑर्गन डोनेट करने के लिए अपने आप योग्य माना जाता है। किसी वजह से अगर उसकी मृत्यु होती है और शरीर के अंग काम कर रहे होते हैं तो उसके ऑर्गन ले लिए जाते हैं।

अगर उसने ऑप्ट आउट किया है, मतलब पहले से लिखकर बताया है कि मौत के बाद उसके अंग न निकाले जाएं, तभी उसके ऑर्गन नहीं निकाले जाते।

नजदीकी रिश्तों में डोनेशन

हमारे यहां ऑर्गन ट्रांसप्लांट में दो तरीके चलते हैं। पहला, नजदीकी रिश्ते में ऑर्गन डोनेशन और दूसरा, ऑर्गन देने वाला आपका जानने वाला नहीं है, लेकिन आपने ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए नंबर लगाया है। ऐसे में अगर किसी ऐसे व्यक्ति की प्रीमच्योर डेथ हो जाती है जिसने ऑर्गन डोनेशन का कार्ड बनवाया हुआ था तो आपका नंबर आ जाता है। मगर समूचे हिंदुस्तान में यह कार्ड बहुत कम लोग बनवाते हैं, लगभग चार फीसदी। दोनों ही मामलों में जागरूकता कम है। जो जीवित हैं और ऑर्गन दे सकते हैं, उन्हें लगता है कि उनके अंग खराब हो जाएंगे। फिर एक सोशल स्टिग्मा भी है। एक उदाहरण इसका यह है कि अक्सर लोग पोस्टमॉर्टम से बचते हैं। भले मृत्यु संदेहास्पद स्थिति में हुई हो, एक्सिडेंट या मर्डर किया गया हो, तब भी घरवाले मना करते हैं कि बॉडी की चीरफाड़ मत करिए। यह एक कस्टम का हिस्सा है, जिसकी वजह से ऑर्गन डिमांड और सप्लाई की बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। अब बात उन परिवर्तनों की जो पिछले दिनों सरकार ने किए हैं।

पहला चेंज यह है कि उम्र सीमा हटाई गई है। पहले था कि पैंसठ साल से नीचे के लोगों को ही अंग दिया जाए। इसके पीछे सोच यह थी कि 65 के बाद लाइफ एक्सपेक्टेंसी उतनी नहीं है, इसलिए उन्हें दिया जाए, जिनकी लाइफ एक्सपेक्टेंसी ज्यादा है।

अब अगर ऑर्गन मौजूद है तो 65 साल से ज्यादा वालों को दे सकते हैं। लेकिन प्रायॉरिटी उसे ही मिलेगी, जो यंगर होगा। जैसे मान लीजिए कि एक ऑर्गन के लिए दो पेशेंट वेटिंग में हैं। एक ऑर्गन मिला तो बीस साल के युवक को प्रेफर किया जाएगा और 65 साल वाले को सेकंड लाइन में रखा जाएगा।

दूसरी समस्या थी स्टेट रिलेटेड डोमिसाइल वाली। अगर संबंधित व्यक्ति किसी और राज्य का हो तो उसमें दिक्कत होती थी, अब हर राज्य में करा सकते हैं। तीसरी चीज थी कि जब ऑर्गन लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराकर

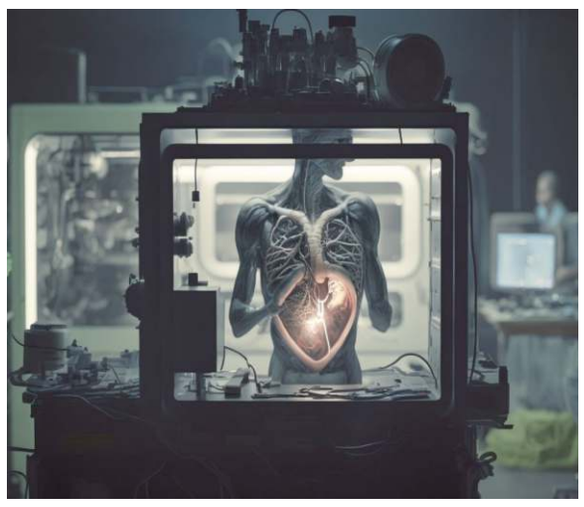

लाइन लगाते हैं, तो उसमें फीस थी दस हजार रुपये की। इसे हटा दिया है। हालांकि जिसे ऑर्गन ट्रांसप्लांट कराना है, वह पांच से बीस लाख रुपये तक खर्च करता है। ऐसे में दस हजार से शायद ही खास फर्क पड़ेगा। असल में जरूरत है जागरूकता बढ़ाने की। ऑप्ट आउट पॉलिसी हमारे देश में शायद न आ पाए क्योंकि मानवाधिकार का सवाल उठ सकता है। ऐसे में जागरूकता से ही कुछ हो सकता है। ऑर्गन डोनेशन में जो बड़ी समस्या है, उसका समाधान यह नहीं है कि उम्रसीमा को खत्म कर दिया, राज्य वाला मसला खत्म कर दिया और फीस हटा दी। बात यह है कि ऑर्गन डोनेशन इतना कठिन नहीं होना चाहिए। कठिन इसलिए बनाया क्योंकि कभी कोई किडनी रैकेट पकड़ा गया या कोई और रैकेट पकड़ा गया। आपको याद होगा कि जब अल्ट्रासाउंड करके भ्रूण परीक्षण करते थे तो लड़की होती थी तो गर्भपात करा दिया जाता था। उसके लिए इतने कड़े नियम बना दिए कि बाकी बीमारियों के डिटेक्शन में समस्या आने लगी। मतलब एक समस्या को हल करने के लिए आपने ढेरों समस्याएं पैदा कर दीं। ऐसे ही किडनी रैकेट की प्रॉब्लम हल करने के लिए हमारे पास हर तरीके का सिस्टम है। आईपीसी है, सीआरपीसी है। उसे आपको एग्जिक्यूशन लेवल पर स्ट्रॉन्ग करना पड़ेगा, न कि कानून इतना कठिन बनाते चले जाइए कि ऑर्गन डोनेशन हो ही न पाए। यहां पर मैं उदाहरण देकर समझाता हूं। बांग्लादेश से हिंदुस्तान में सालाना लगभग साढ़े बारह हजार लोग किडनी ट्रांसप्लांट कराने आते हैं। वहां एनलजेसिक का यूज बहुत ज्यादा है इसलिए किडनी फेल होती है। हमारे यहां रूल है कि फर्स्ट ऑर्डर रिलेटिव- मतलब पति-पत्नी, माता-पिता, चाचा-चाची जैसे संबंधों में ही आप अंग दे सकते हैं। वहां किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा नहीं है तो उसके लिए एजेंट हैं। वहां ये पहले अपनी पत्नी को तलाक देते हैं। दूसरी औरत का एजेंट रहता है, उससे शादी होती है, सर्टिफिकेट बनता है। कुछ पैसे वहां एजेंट को दिए जाते हैं, औरत को दिए जाते हैं। फिर वह औरत अपने पति के साथ इंडिया आती है। इंडिया में भी वेस्ट बंगाल, जो कि इसका हब बना हुआ है और वहां के नियम दिल्ली के नियम से अलग हैं। वहां दिखाया जाता है कि दोनों पति-पत्नी हैं। वह ऑर्गन देती है, ट्रांसप्लांट होता है, वापस जाते हैं। बाकी के जो पैसे और कमिटमेंट हुए हैं, वह उस औरत और एजेंट को दिए जाते हैं। उसके बाद जिस औरत ने अंग दिया, उससे तलाक लेते हैं और अपनी पहली पत्नी से शादी करते हैं। सांठगांठ से स्कैम तो आपने कानून ऐसा बनाया तो उन्होंने उसकी काट निकाल ली। इंडिया में हिंदू मेजॉरिटी होने के कारण यह चीज तो नहीं हो पाएगी, न हो रही है। लेकिन जो बदमाशी हो रही है, खासकर नॉन डॉक्टर जिस तरह कुछ डॉक्टरों के साथ सांठगांठ करके किडनी स्कैम चलाते हैं, उसके लिए आप समाधान खोजिए, न कि ऑर्गन डोनेशन या ऑर्गन ट्रांसप्लांट के सिस्टम को इतना कठिन बना दीजिए कि यह हो ही न पाए।

पराग जोबनपुत्रा

एशिया को कहां ले जाएगी हथियारों की होड़

दुनिया के दस सबसे बड़े हथियार खरीदार देशों में भारत-चीन समेत आठ एशियाई देश हैं। तीस साल से भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार खरीदार देश बना हुआ है। भारत, पाकिस्तान और चीन के बीच चल रहे तनाव का ही नतीजा है कि दुनिया भर में पिछले पांच सालों में बिके 19 फीसदी हथियार इन्हीं तीन देशों ने खरीदे हैं। इसमें भारत की हिस्सेदारी 11 फीसदी है। एशिया के इस इलाके में हथियारों की जैसी होड़ लगी है, स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट (Sipri) की ताजा रिपोर्ट इसकी चिंताजनक तस्वीर पेश करती है।

डंपिंग ग्राउंड

अगर हथियार खरीदने-बेचने के Sipri के आंकड़ों पर गौर करें तो साफ दिखता है कि किस तरह से पश्चिमी देश एशियाई देशों के डर को कैश करते हुए इस क्षेत्र को खतरनाक हथियारों का डंपिंग ग्राउंड बना रहे हैं।

चीन और पाकिस्तान में दोस्ती बढ़ी तो अमेरिका ने भारत को अपनी शर्तों पर हथियार बेचने शुरू कर

दिए। अमेरिका अब भारत को हथियार बेचने में 11 फीसदी का हिस्सेदार है।

भारत ने पांच सालों में सबसे ज्यादा 45 फीसदी हथियार रूस से खरीदे, जो 2013-17 के मुकाबले 19 फीसदी कम है। इसके पीछे कहीं न कहीं अमेरिकी राजनीति तो है ही।

उधर चीन तेजी से स्वदेशी हथियार विकसित कर रहा है। लड़ाकू विमान जे-7 जैसी कई सैन्य परियोजनाओं में पाकिस्तान उसका सहयोगी है।

आर्थिक बदहाली के बावजूद पिछले पांच साल में पाकिस्तान ने हथियार खरीद 14 फीसदी बढ़ाई है।

चीन ने साल 2023-34 के लिए अपना रक्षा बजट करीब 224 अरब डॉलर रखा है जो भारत के 72.6 अरब डॉलर के बजट से तीन गुणा ज्यादा है।

दुनिया भर में सर्वाधिक हथियार खरीदने वाले 25 देशों में 14 तो सिर्फ एशियाई देश हैं। सऊदी अरब, कुवैत, कतर, यूएई ने पिछले पांच सालों में हथियारों की भारी खरीद की है। इन देशों ने दुनिया भर में बिकने वाले कुल हथियारों का 21 फीसदी खरीदा है।

यह बाजार पूरी तरह से दो हिस्सों में बंटा है। चीन-रूस से दोस्ती वाले मुल्कों को अमेरिका हथियार नहीं बेचता, पर जिससे भी चीन के विवाद हैं, उन्हें जरूर हथियार बेचता है। अमेरिका बेहद चतुराई से सीमा विवाद से घिरे एशियाई देशों को डर दिखाकर मुनाफा कमा रहा है।

हाल निर्यात का

चीन पांचवां सबसे बड़ा खरीदार और चौथा बड़ा निर्यातक भी है। भारत के लिए यह चिंताजनक है। हालांकि स्वदेशी हथियारों में ब्रह्मोस मिसाइल, तेजस लड़ाकू विमान, आकाश मिसाइल, प्रचंड और रुद्र हेलिकॉप्टर जैसे हथियार विकसित कर भारत निर्यात की दिशा में बढ़ रहा है, फिर भी भारतीय हथियार निर्यात दर 0.2 फीसदी से अधिक नहीं है। रक्षा मंत्रालय ने साल 2024-25 तक डिफेंस एक्सपोर्ट को 35 हजार करोड़ करने का लक्ष्य रखा है। हथियारों की खरीद की होड़ से बाहर निकलने में भारत लंबा वक्त लगेगा, लेकिन केंद्र सरकार की नीतियों से साफ है कि आने वाले दशकों में भारत काफी हद तक इससे बाहर आ सकता है। वहीं हथियार बेचने के मामले में अकेले अमेरिका की हिस्सेदारी 40 फीसदी है, जबकि चीन समेत इक्का-दुक्का हथियार उत्पादक एशियाई देश इस वैश्विक हथियार बाजार का 10 फीसदी हिस्सा ही हैं।

भारत ने घटाई खरीद

बीते पांच सालों में भले दुनिया में भारत सबसे बड़ा खरीदार रहा है, लेकिन 2013-17 के मुकाबले उसने 11 फीसदी खरीदारी कम की है। सीमा पर तनाव के बावजूद केवल जरूरी रक्षा सौदे ही किए जा रहे हैं। सिपरी का कहना है कि भारत की हथियार खरीदने की प्रक्रिया जटिल और धीमी हुई है और उसने स्वदेशी तकनीक और मेक इन इंडिया पर जोर दिया है। इसके अलावा आयात को कम करने के लिए भारत में निर्मित हथियारों के लिए अलग बजट का प्रावधान, रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत करना और कई हथियारों की खरीद पर प्रतिबंध लगाने जैसे कदम शामिल हैं। लेकिन हथियार स्वदेशी हों या विदेशी, उनकी होड़ किसी के लिए भी अच्छी नहीं कही जा सकती। यह अच्छा है कि भारत कम से कम स्वदेशी के जरिए ही हथियारों की वैश्विक राजनीति से बाहर आने की कोशिश तो कर रहा है।

भूपत सांवलिया

किरीट ए. चावड़ा

आंकड़ों से छले जाते लोग, तरक्की की राह पर चल रहे देश को भूख, गरीबी और बेरोजगारी से निजात कब?

कैसे हो साधारण आदमी की तरक्की? उसको अनुकंपा की दिलासा बंद कीजिए। भूख से न मरने की गारंटी तो उसे दे दी गई, लेकिन कब उसे रोजी-रोजगार और सम्मानजनक जीवन जीने की गारंटी दी जाएगी। बेशक आज कहा जा रहा है कि उन्हें रोजगार मांगने वाले से रोजगार देने वाला बनाया जाएगा। मगर नवउद्यम तभी चलेंगे, जब उनमें साधारण आदमी को अपने लिए कुछ बचता नजर आए। आजादी के समय घोषित समतावादी समाज कब स्थापित हो सकेगी देश की तरक्की औसत आदमी के वृत्त से बाहर क्यों? देश के लिए चमकती चुंधियाती खबरें आती हैं, तो देश के भाग्यनियंता अपनी उपलब्धियों पर गर्वित हो जाते हैं। अगर मुड़ कर देखें तो पाते हैं कि जब यह देश आजाद हुआ और देश की व्यवस्था लोकतांत्रिक बनी, तो इसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हुए घोषणा की गई थी कि इस देश में अमीर और गरीब का भेदभाव मिटा दिया जाएगा। एक समतावादी समाज की स्थापना होगी। नेताओं से उम्मीद रखी गई थी कि वे केवल चंद धनकुबेरों का सहयोग न करें, बल्कि देश के असंख्य गरीबों को रोजी-रोजगार देने का अपना वादा पूरा करें। तब योजनाबद्ध आर्थिक विकास की घोषणा हुई थी। बारह पंचवर्षीय योजनाओं में भी लक्ष्य पूरे नहीं हो सके बारह पंचवर्षीय योजनाओं में इस पर काम हुआ, पर वे अपने लक्ष्यों को पूरी नहीं कर पाईं। मगर तब भी यही कहा गया कि देश तरक्की की राह पर है। गरीब आदमी राहत की सांस ले रहा है और यह सब उसके वोट बैंक की सहायता से हुआ है। नेताओं का यही स्वर था कि इस देश में हर युवक को उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार मिलेगा। स्त्रियों को समानाधिकार और उनके सशक्तिकरण में वृद्धि होगी, वे पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चलेंगी। इस समतावादी समाज में ऐसा उदाहरण प्रस्तुत हो जाएगा, जिसमें बिना किसी मार-काट के गरीब और अमीर के बीच भेदभाव खत्म हो जाएगा। महंगाई और चोरबाजारी खत्म होगी। भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता रहेगी। लोगों को सहज व्यापार और सहज प्रशासन मिलेगा। देश के भाग्यनियंता गरीब की बात पहले सुनेंगे और धनी की बात बाद में। मिश्रित अर्थव्यवस्था की धारणा इसी की पुष्टि करती थी कि सार्वजनिक क्षेत्र साधारण जन का कल्याण करेगा और निजी क्षेत्र का प्रोत्साहन देश की आर्थिक गति बढ़ाएगा। मगर देखते ही देखते सब कुछ लालफीताशाही में घिरता नजर आया। घोषणाओं की सफलता को मिथ्या आंकड़ों का आडंबर सहारा देने लगा और धीरे-धीरे योजनाबद्ध आर्थिक विकास को त्याग कर एक उदार अर्थव्यवस्था बनाने की बात होने लगी, जिसमें यह धीमी गति से चलती हुई आर्थिकी त्वरित गति को प्राप्त कर सके। पिछले नौ सालों में सार्वजनिक निजी भागीदारी के नाम पर निजी क्षेत्र को ही अधिक प्रोत्साहन मिला है। इसके नतीजे सामने हैं। भारत ने दुनिया में विकट आर्थिक स्थितियों में भी सबसे तेज विकास दर प्राप्त की कहा जा रहा है कि भारत ने दुनिया में विकट आर्थिक स्थितियों का सामना करते हुए भी सबसे तेज आर्थिक विकास दर प्राप्त कर ली। आर्थिक विशारद कहते थे कि 2023 में दुनिया महाआर्थिक मंदी का सामना करने जा रही है, लेकिन भारतीयों ने इससे भी अपना बचाव कर लिया। कहा गया कि अगर फेडरल बैंक की नीतियों के बदलने के साथ ब्याज दरों में वृद्धि और महंगाई के प्रहार के बाद भारत का विदेशी निवेश भगोड़ा हो गया है, तो उसे निजी निवेश ने भर दिया है। अभी जो नतीजे सामने आए हैं, उन पर चाहें तो हम गर्व कर सकते हैं। पहला नतीजा तो यह है कि भारत में नौ साल में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई है। 2014-15 की तुलना में देश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होकर 1,72,000 पर पहुंच गई है। अगर मुद्रास्फीति को दरकिनार करके आय बढ़ने के स्थिर दाम पर वास्तविक मूल्य देखें तो यही पाते हैं कि इन वर्षों में यह 35 फीसद बढ़ गई है, यानी नौ वर्ष पहले जो 72,805 रुपए थी, वह आज 98,118 रुपए हो गई है। कहा जाता है कि जितनी तेजी के साथ भारत डिजिटल हुआ है,

उसका कोई सानी नहीं। जिस प्रकार भारत की मंडियों में लोगों की मांग एक विशेष वर्ग की मांग की तरह बढ़ी है, वह बताती है कि अपना देश पूर्णबंदी की मार से उबर आया है। हमारे देश के बीस प्रतिशत सबसे अमीर अधिक खरीदारी करने लगे हैं। चाहे मौद्रिक नीति कर्ज महंगे कर रही है, लग्जरी कारों की बिक्री पचास फीसद बढ़ गई है। महंगे स्मार्टफोन पचपन फीसद ज्यादा बिक रहे हैं। महंगी स्विस घड़ियों की बिक्री दो साल में 843 करोड़ रुपए से 1640 करोड़ रुपए हो गई और बड़े अल्ट्रा एचडी टीवी 2021 के मुकाबले पंचानबे प्रतिशत बढ़ गए। मगर यह हालत तो केवल बीस प्रतिशत की मांग बढ़ने के कारण पैदा हुई है। पर यह औसत आय की धारणा बड़ा भ्रमजाल फैलाती है। एक ओर कहती है कि देश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई, दूसरी ओर गरीब अपनी जेब खाली पाता है। तिस पर कम आय वालों की आय भी इन दो सालों में बढ़ी नहीं। जो औरतें काम से बेकार हो गईं, उनको दुबारा काम नहीं मिला और कोरोना महामारी के प्रकोप से डरते हुए औद्योगिक क्षेत्र के निस्पंद हो जाने के कारण जो जनसमुदाय महानगरों को छोड़ गांवों की ओर चला गया, वह अब वापस लौटने को तैयार नहीं। वृद्धि के आंकड़े दिलासा देते हैं, लेकिन साथ ही यह भी बताते हैं कि यह वृद्धि केवल सेवा और पर्यटन क्षेत्र में हो रही है। निर्माण क्षेत्र में यह वृद्धि कम हो रही है। निर्यात बढ़े नहीं और देश आज भी आयात आधारित है। किसी भी उत्पादन के लिए उसे कच्च? माल विदेशों से मंगवाना पड़ता है। चीन के साथ तनातनी के बावजूद हमारे फार्मा उद्योग का अधिकांश कच्चा माल चीन से आता है। अब यह कहा जा रहा है कि इसके लिए जापान की ओर भी ध्यान दिया जाएगा। दूसरी ओर, इस देश का सबसे बड़ा दर्द कच्चे तेल की कीमतें और प्राकृतिक गैस की कीमतों का लगातार ऊंचे स्तर पर स्थिर रहना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ये कीमतें कम हुई हैं, लेकिन सरकारों ने अपने राजस्व और तेल कंपनियों ने आपदा काल में हुए घाटे की दुहाई देते हुए इन कीमतों को कम नहीं होने दिया। पिछले दिनों तो घरेलू गैस और व्यावसायिक गैस के सिलिंडरों की कीमतों में और वृद्धि हो गई। अपने ही देश में कच्चे तेल के कुएं खोदने वाला आयल एंड नेचुरल गैस कमीशन हताश है, क्योंकि हम इस मामले में तरक्की नहीं कर पाए और आज भी तेल के लिए विदेशों पर निर्भर हैं। विशेष रूप से आजकल रूस की ओर। अगर यह स्थिति है तो बताइए, देश का आम आदमी किस प्रकार अपनी इस तरक्की पर गर्वित हो ले। रिटेल इंटेलिजेंस फर्म 'विजोम' बताती है कि छोटे शहरों में टुथपेस्ट, नूडल और हेयर आयल जैसे उत्पादों की बिक्री कम हो गई। ग्रामीण और अर्धशहरी बाजार 0.8 प्रतिशत गिर गया। दुपहिया वाहनों की बिक्री कम हो गई और छोटी कारों की बिक्री में इजाफा नाममात्र रहा। कम कीमत वाले स्मार्टफोनों की बिक्री में भी पंद्रह प्रतिशत कमी आ गई। तनिक गरीब घरों में उज्ज्वला योजना के गैस सिलिंडर की हालत देख लीजिए। अब उनकी सबसिडी 200 रुपए पर सिमट गई है। जो गैस सिलिंडर उनको अब मिल रहा है वह 900 रुपए से कम नहीं। यह तो तरक्की नहीं।

ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड के 5,548.00 लाख रुपए का एसएमई आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 14 मार्च को खुलेगा

कंपनी बीएसई-एसएमई एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध करने के लिए 146 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 38,00,000 रुपये के इक्विटी शेयर 10 रुपये के अंकित मूल्य पर जारी करेगी

मुंबई, मार्च 13, 2023: ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड - विज्ञापन मीडिया सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में आउट ऑफ होम (ओओएच) मीडिया सेवाओं के मामले में अग्रणी कंपनी का पब्लिक इश्यू 14 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है।

कंपनी 5,548.00 लाख रुपये जुटाने की योजना बना रही है। कुछ उधारों के पूर्व भुगतान / पुनर्भुगतान, एलईडी होर्डिंग्स की खरीद, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए। पब्लिक इश्यू के लिए सब्सक्राइब करने की आखिरी तारीख 17 मार्च है। श्रेणी शेयर्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू की लीड मैनेजर है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे।

आईपीओ में कंपनी 146 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 38,00,000 रुपये के इक्विटी शेयर 10 रुपये के अंकित मूल्य पर जारी करेगी (136 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) कुल 5,548.00 लाख रुपए तक आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट आकार 1,000 शेयर है जो प्रति आवेदन 1.46 लाख रुपये होता है।

ब्राइट मीडिया आउटडोर लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री योगेश लखानी ने अधिक जानकारी साझा करते हुए कहा, "हम प्रोडक्ट में नवीनता, अविष्कार, मजबूत डिजाइन, अद्वितीय सेवाओं और रणनीतिक स्थानों के माध्यम से आउट-ऑफ-होम विज्ञापन में उत्कृष्टता लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी सर्विस

श्रंखला के मामले में होर्डिंग में रेलवे बोर्ड, रेलवे पैनल, ट्रांसफर स्टिकर, सिनेमा स्लाइड, प्रोमो, फुल ट्रेन, बस पैनल, फुल बस रैप, मोबाइल वैन, कियोस्क, ट्रैफिक बूथ, गैन्ट्री और विनाइल शामिल हैं। हमें उम्मीद है कि प्रस्तावित आईपीओ के बाद, हम अपनी विकास रणनीति को इस तरीके से आगे बढाने में सक्षम होंगे जो सेवाओं को लगातार गुणवत्ता प्रदान करते हुए सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए बेहतर मूल्य क्रिएट करेंगे।"

इश्यू से होने वाली आय में से कंपनी 1241.09 लाख रुपये का उपयोग कुछ उधारों के पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान के लिए करेगी, एलईडी होर्डिंग्स की खरीद के लिए 1310.18 लाख रु., कार्यशील पूंजी के लिए 1,826.53 लाख रुपये और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए 1,109.60 लाख रुपए। आईपीओ के बाद कंपनी की शेयर पूंजी 1,392.87 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ जाएगी। पब्लिक इश्यू से पहले 1,012.87 लाख रुपए थी। कंपनी में प्रमोटर्स और प्रमोटर्स ग्रुप की 99.99% हिस्सेदारी है। आईपीओ के बाद प्रोमोटर समूह की हिस्सेदारी 72.72% होगी।

(शेयर डेटा के अलावा अन्य लाख रुपये में)

विवरण

2005 में इनकॉरपोरेट हुई ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड विज्ञापन सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है, जिसमें विज्ञापन मीडिया सेवाओं की पेशकश की जाती है, जिसमें आउट ऑफ होम (ओओएच) मीडिया सेवाएं शामिल हैं। हमारे सर्विस होर्डिंग में रेलवे बोर्ड, रेलवे पैनल, ट्रांसफर स्टिकर, सिनेमा स्लाइड, प्रोमो, फुल ट्रेन, बस पैनल, फुल बस रैप, मोबाइल वैन, कियोस्क, ट्रैफिक बूथ, गैन्ट्री और विनाइल शामिल हैं। आउट-ऑफ़-होम (OOH) विज्ञापन और ग्राहकों को विभिन्न संचार समाधान प्रदान करने के अलावा, हमारी कंपनी मल्टी कल्चरल और एथनिक आउटडोर विज्ञापन अभियानों को सुनिश्चित करने वाली सेवाएं भी प्रदान करती है जो हर रचनात्मक आवश्यकता, विचार और बजट के लिए दर्शकों को जोड़ती हैं और प्रभाव डालती हैं।

ब्राइट आउटडोर का क्लाइंट डोमेन मुख्य रूप से विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में काम करने वाले कॉर्पोरेट ग्राहकों के इर्द-गिर्द घूमता है। मनोरंजन इंडस्ट्री, कंस्ट्रक्शन, शिक्षा, आभूषण, बीमा, वित्तीय सेवा प्रदाता, विमान, सरकारी संगठन आदि। कंपनी को 2000 सम्मान प्राप्त करने, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5000 पुरस्कार प्राप्त करने और 43 वर्षों से मनोरंजन उद्योग, कॉर्पोरेट क्षेत्र और एफएमसीजी के 1000 क्लाइंट्स को सेवाएं देने के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, 2022 में शामिल किया गया है।

- पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 14 मार्च से खुलेगा और 17 मार्च को बंद होगा
- आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट आकार 1,000 शेयर है; न्यूनतम आईपीओ आवेदन राशि रु 1.46 लाख है
- इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कुछ उधारों के पूर्व भुगतान/पुनर्भुगतान, एलईडी होर्डिंग्स की खरीद, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।
- 30 सितंबर, 2022 को समाप्त अवधि के लिए और 31 मार्च, 2022, 2021 और 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए हमारी कंपनी का राजस्व क्रमशः 4496.55 लाख रुपये, 5046.12 लाख रुपये, 2403.66 लाख रुपये विज्ञापन 7054.75 लाख रुपये और शुद्ध लाभ 419.69 लाख रुपये है। 259.20 लाख रुपये, 108.22 लाख रुपये और 171.24 लाख रुपये, क्रमशः 30 सितंबर, 2022 को समाप्त अवधि के लिए और 31 मार्च, 2022, 2021 और 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए।
- श्रेणी शेयर्स प्राइवेट लिमिटेड इश्यू की लीड मैनेजर है।
- पाठकों को सलाह दी जाती है कि वे निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रॉस्पेक्टस को ध्यान से देखें।

आईपीओ हाइलाइट्स - ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड

- आईपीओ शुरू
- 14 मार्च, 2023
- आईपीओ बंद हो रहा है
- मार्च 17, 2023
- कीमत
- रु. 146 प्रति शेयर
- इश्यू के (शेयरों की संख्या)
- 38,00,000 शेयर
- इश्यू साइज (करोड़ रुपए)
- रु. 5,548.00 लाख
- लॉट साइज
- 1,000 शेयर
- खुदरा कोटा
- 18,03,000 शेयर
- गैर-खुदरा कोटा
- 18,03,000 शेयर
- लिस्टिंग
- बीएसई लिमिटेड के एसएमई प्लेटफॉर्म

ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड, बाजार की स्थितियों और अन्य विचारों के अधीन, अपने इक्विटी शेयरों के आईपीओ को खोल रहा है और 03 मार्च, 2023 को कंपनी रजिस्ट्रार,

मुंबई, महाराष्ट्र के साथ प्रॉस्पेक्टस दायर किया है। प्रॉस्पेक्टस कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। www.shreni.in पर लीड मैनेजर, बीएसई की वेबसाइट यानी www.bsesme.com, और हमारी कंपनी की वेबसाइट www.brightoutdoor.com पर।

निवेशक को कोई भी निवेश निर्णय लेने से पहले प्रॉस्पेक्टस के पेज 27 पर जोखिम कारकों सहित प्रॉस्पेक्टस को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

जूनियर एनटीआर ने 'नाटू नाटू' के लिए ऑस्कर जीत पर प्रतिक्रिया दी: 'यह भारत की जीत है'

भारतीय सिनेमा और फिल्म निर्माता अपनी अनोखी कहानी के साथ ग्लोबल नक्शे पर हैं, जो क्षेत्रीय फिल्मों को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। गुनीत मोंगा की द एलिफेंट व्हिस्पर्स ने बेस्ट डाक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म श्रेणी में पुरस्कार जीता। जबकि एसएस राजामौली की आरआरआर ने एमएम केरावनी द्वारा रचित नाटू नाटू के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल गीत के लिए प्रतिष्ठित 95वां अकादमी पुरस्कार जीता। कीरावनी ने पहले ही इसी श्रेणी में गोल्डन ग्लोब्स 2023 हासिल कर लिया है। उनका ऑस्कर स्वीकृति भाषण पहले से ही नेटिज़न्स का दिल जीत रहा है। तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री की इस शानदार उपलब्धि से फिल्म प्रेमी उत्साहित हैं। राम चरण-जूनियर एनटीआर अभिनीत फिल्म ने न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर ने नाटू नाटू को ऑस्कर पुरस्कार जीतने पर: "मुझे अभी अपने खुशी को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं मिल रहे हैं। यह सिर्फ आरआरआर की जीत नहीं है बल्कि एक देश के तौर पर भारत की जीत है। मेरा मानना है कि यह तो बस शुरुआत है। हमें दिखा रहा है कि भारतीय सिनेमा किस हद तक जा सकता है। कीरावनी गारू और चंद्रबोस गारू को बधाई। निश्चित रूप से यह राजामौली नामक एक मास्टर कहानीकार और दर्शकों के बिना संभव नहीं था, जिन्होंने हमें पूरे प्यार से बरसाया। मैं 'द एलिफेंट व्हिस्पर्स' की टीम को आज उनकी जीत पर बधाई देना चाहता हूं, जो आज भारत में एक और ऑस्कर ला रही है।"

अदाणी मामले में अधिकारियों को संसदीय समिति में बुलाने की मांग, भाजपा ने किया विरोध

कांग्रेस ने अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी और रिजर्व बैंक के प्रमुखों, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों व अन्य नियामक संस्थाओं को संसद की स्थायी समिति के समक्ष बुलाने की मांग की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस मामले में उनकी तरफ से तो कोई चूक नहीं हुई है। सूत्रों ने बताया कि वित्त मामलों पर संसद की स्थायी समिति की बैठक के दौरान कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने यह मुद्दा उठाया। तिवारी की मांग का उनकी पार्टी के सदस्य गौरव गोगोई और प्रमोद तिवारी, टीएमसी के सौगत रॉय और बीजेडी के पिनाकी मिश्र और अमर पटनायक ने समर्थन किया। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद, एसएस अहलूवालिया और सुशील कुमार मोदी ने इसका विरोध किया। इनका कहना था कि यह मामला न्यायालय के विचाराधीन और सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर एक समिति का भी गठन किया है।

तीन वर्षों में CRPF के 436 कर्मियों ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को कहा कि पिछले तीन साल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कुल 436 कर्मियों ने आत्महत्या की है। राय ने राज्यसभा में कहा कि सीआरपीएफ, बीएसएफ, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) और असम राइफल्स में आत्महत्या और स्वजनों की हत्या की रोकथाम बाबत उपचारात्मक उपाय सुझाने के लिए एक कार्य बल का गठन किया गया है।

1,827 एनजीओ के लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को कहा कि सरकार ने पिछले पांच साल में कानूनों का उल्लंघन करने वाले 1,827 गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण रद्द कर दिया है। राय ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 की धारा 32 में अधिनियम के तहत पंजीकृत किसी भी संस्था के खिलाफ कार्यवाही के तहत पारित किसी भी आदेश में केंद्र सरकार द्वारा संशोधन का प्रावधान है।

329 शहरों में 5जी सेवाएं शुरू

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि देश के 329 शहरों में 5जी सेवाएं सभी लाइसेंस सेवा क्षेत्रों के लिए शुरू कर दी गई हैं। लोकसभा में रवनीत सिंह के प्रश्न के लिखित उत्तर में संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने यह जानकारी दी। संचार राज्य मंत्री ने बताया कि सेंटर फॉर डेवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) और रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल) ने स्वदेशी 4जी/5जी प्रौद्योगिकी विकसित की है।

एशिया के सबसे प्रदूषित 15 शहरों में से 12 भारत में

नई दिल्ली। मध्य और दक्षिण एशिया में वर्ष 2022 के 15 सबसे प्रदूषित शहरों में से 12 भारत में हैं और भिवाड़ी देश का सबसे प्रदूषित शहर है। एक नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया।

समाजसेवक व उद्योगपति नीलोत्पल मृणाल ने झुग्गी बस्ती में लगी आग से प्रभावित लोगों को बांटा भोजन और कपड़ा

मुम्बई। महानगर के उपनगर मालाड पूर्व में स्थित अप्पा पाड़ा झुग्गी बस्ती में पिछले दिनों भीषण आग लगने से हजारों लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सिलेंडर ब्लास्ट के कारण लगी आग से एक व्यक्ति की बुरी तरह झुलसने से मौत हो गई।हजारों घर आग की चपेट में आने से यहां के लोगों का बुरी तरह नुकसान हुआ है। उद्यमी और सोशल वर्कर नीलोत्पल मृणाल ने हाल ही में इस इलाके का दौरा किया। उनके नन्ही गूंज फाउंडेशन की टीम के लोग भी मौजूद थे। नीलोत्पल मृणाल ने पीड़ित लोगों को खाने के पैकेट, टी शर्ट, धूप बारिश से बचने के लिए तालपत्री का वितरण किया। लाभ लेने वालों में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे सभी शामिल थे और सभी ने नीलोत्पल मृणाल की इस सेवा भावना को सराहा।समाज सेवक और उद्यमी नीलोत्पल मृणाल ने मदद की सामग्री वितरित करने के बाद कहा कि मलाड में 13 मार्च की रात में सिलेंडर ब्लास्ट से तीन हजार से ज्यादा घर जल चुके हैं। जिससे 10 हजार से ज्यादा लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। ऑफिशियल डेटा के अनुसार एक शख्स की मौत हुई है। 50 से ज्यादा सिलेंडर ब्लास्ट हुए हैं कितना बड़ा नुकसान हुआ है आप अंदाजा लगा सकते हैं। लोगों के पास खाना नहीं है, पानी की व्यवस्था नहीं है, लोग नहा नहीं पा रहे हैं, यहां दस हजार लोगों की मदद की जरूरत है। 22 मार्च को हम लोग बिहार स्थापना दिवस मनाने वाले थे, बिहार हमेशा देश की सेवा में रहता है। लेकिन यहां की हालत देखकर हमने उस समारोह को कैंसल कर दिया और उस प्रोग्राम में जो खर्च करने वाले थे, वो सब यहां लोगों की मदद में खर्च कर दिया। यहां शेड लगाने के लिए तालपत्री लाए, टी शर्ट, बिस्किट, केला, पानी लोगों में वितरित किया। एक महीने तक हम यहां पानी का टैंकर भेजेंगे। लेकिन यह सब हम नन्ही गूंज फाउंडेशन के द्वारा कर रहे हैं, यह सरकार का दायित्व है कि ऐसे गरीब और मजबूर लोगों की मदद की जाए। मैं मीडिया से अपील करूंगा कि दुनिया भर के मुद्दों पर खबर चलाने के बजाय इन झुग्गी बस्ती में रहने वालों के दर्द को दिखाए।उन्होंने आगे कहा कि अप्पा पाड़ा नाम सुनने से लगता है कि यहां साउथ के लोग ज्यादा रहते होंगे, मगर यहां आने के बाद पता चला कि यहां हर धर्म जाति और क्षेत्र के लोग रहते हैं। आग लगने से कुछ बच्चों के एडमिशन कार्ड जल गए जिसके कारण उनकी परीक्षा मिस हो गई। सारे कपड़े, बर्तन, लोगों के डाक्यूमेंट्स जलकर राख हो गए हैं। मैं इस इलाके के नगरसेवक, आमदार खासदार से अपील करूंगा कि इन उजड़े हुए लोगों की मदद करें। मैं खुद एक दिव्यांग हूँ, पोलियो से ग्रसित हूँ लेकिन अपनी क्षमता के अनुसार मदद कर रहा हूँ। मैं सभी से गुजारिश करूंगा कि एक बार लोग यहां का दौरा करें। नीलोत्पल मृणाल ने बताया कि नन्ही गूंज फाउंडेशन कैंसर पीड़ित, दिव्यांग, शहीद की फैमिली के लोगों की मदद करती है। और ऐसी आपातकाल स्थिति में भी हम जरूरतमंद के साथ खड़े हैं। मैं आला अधिकारियों से अपील करूंगा कि यहां पर बिजली, पानी की व्यवस्था जल्द करवाएं। वर्षो से जिन घरों में लोग रह रहे थे, वह खंडहर में बदल गए हैं। इंसानियत के नाते सभी को मदद के लिए आगे आना चाहिए। ऐसा बताया जाता है कि विश्व के 30 सबसे अमीर आदमी में 2 लोग भारत देश के हैं, इसी देश मे इतनी बड़ी घटना घटी है लेकिन जरूरत के अनुसार इन लोगों को मदद नहीं मिल रही है। यहां आकर लगता है कि आप मुम्बई नहीं 50 साल पहले का कोई गांव देख रहे हैं। यहां छोटे बच्चे, माताएं, बहनें, बुजुर्गों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनकी मदद के लिए सरकार को आगे आना चाहिए।इलाके की एक महिला ने बताया कि महिलाएं तीन दिनों से नहाई नहीं हैं। सरकार से हमारी अपील है कि जितनी जल्द हो हमारी मदद को आगे आएं। दसवीं के छात्रों के लिए भी दिक्कत पैदा हो गई है। हम समाजसेवी नीलोत्पल मृणाल का शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने मदद की सामग्री हमें वितरित की।इलाके के एक और पीड़ित ने बताया कि हमारा सबकुछ लुट गया है। हमारे दस्तावेज जल गए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से हमारी अपील है कि हमारी मदद की जाए।

ऑटिज्म बीमारी से पीड़ित 9 साल की विशारदा की सच्ची कहानी पर बनी फिल्म " विशारदा" में मां का रोल भी बच्ची की रियल मम्मी डॉ सुजाता कपूर ने निभाया

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में एक बेहतरीन सिनेमा की रचना

द वर्ल्ड ऑटिज़्म एक्सपेंटेंस वीक 27 मार्च से 2 अप्रैल 2023 तक मनाया जाएगा! इसकी थीम स्पेक्ट्रम कलर चैलेंज है, 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया जाता है।कई बॉलीवुड फिल्म निर्माता कुछ गंभीर विषयों को उठा रहे हैं; खासकर ऑटिज्म सिंड्रोम पर फिल्मे बनाते आ रहे हैं। यह एक न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर है जिसकी वजह से सामाजिक संपर्क छूट जाता है। इस गंभीर विषय पर न्याय करने में जो फिल्मे कामयाब रहीं, उनमें आमिर खान और दर्शील सफारी की 'तारे ज़मीन पर', शाहरुख खान की 'माई नेम इज खान', ऋतिक रोशन की 'कोई मिल गया'" शामिल हैं।इन दिनों चर्चा यह है कि एक युवा फिल्म निर्माता शुभराज गुप्ता, जो लेखक-निर्देशक और संपादक भी हैं, ने भी इस विषय पर एक दिलचस्प फिल्म बनाई है, इसमे उन्होंने इस बीमारी के शिकार बच्चे का चित्रण किया है।इसका नाम "विशारदा - द जर्नी ऑफ ए चाइल्ड विद ऑटिज्म" है। यहाँ यह चरित्र एक रियल ऑटिज़्म बच्ची ने निभाया है - एक 9 वर्षीय लड़की जिसका नाम 'विशारदा' है, जो केंद्रीय चरित्र निभा रही है। यह विषय जस बच्ची के मजबूत इरादों वाले माता-पिता - मां डॉ. सुजाता कपूर और पिता डॉ. पुनीत कार्ला से प्रेरित है, जो फिल्म में वास्तविक जीवन की भूमिकाएं भी निभा रहे हैं। वे चाहते थे कि उनकी बेटी साहसपूर्वक खुली हवा में सांस ले और पूरी दुनिया में अपनी उपस्थिति का आनंद उठाए।शुभराज गुप्ता इस फ़िल्म के निर्माता, निर्देशक, लेखक, एडिटर हैं। उन्होंने ने बहुत वक्त तक थिएटर में कलाकार के रूप

में काम किया है। कई रिएलिटी शो बतौर वीडियो एडिटर किए हैं। शुभराज गुप्ता ने मुम्बई में हुई एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि जो बच्चे ऑटिस्टिक होते हैं, आमतौर पर उनके माता-पिता यह स्वीकार नहीं करते कि उनके बच्चे इस बीमारी से पीड़ित हैं। बहुत सारे लोगों को तो इस रोग के बारे में ज्यादा मालूम ही नहीं है। इस फ़िल्म को बनाने का हमारा उद्देश्य यह है कि ऐसे बच्चों के मां बाप यह स्वीकार कर लें कि उनका बच्चा ऑटिस्टिक है। लोग छुपाने की कोशिश करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यह एक डिसेबिलिटी है और दूसरों पर इसका अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस फ़िल्म को बनाने के पीछे हमारा लक्ष्य यह है कि अधिक से अधिक लोग इस बीमारी के बारे में जानें और एक जागरूकता फैले। डॉ सुजाता कपूर ने बताया कि लोगों को इस बारे में अवेयर करने के मकसद से यह सिनेमा बनाया गया है। फिलहाल इसका पोस्ट प्रोडक्शन का काम जारी है, यह फ़िल्म महोत्सवों में दिखाई जाएगी। उसके बाद इसे रिलीज किया जाएगा। लोगों को जागरूक करने के लिए मुहिम भी शुरू की गई है। बता दें कि फ़िल्म विशारदा में खूबसूरत एक्टर मॉडल सुजाता कपूर रियल लाइफ रोल निभा रही हैं, जो उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण भी था। वह अपने पति पुनीत कालरा के साथ मिलकर संवेदनाएं एनजीओ भी चलाती हैं। सुजाता कपूर मॉडलिंग के क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। वह डॉक्टरेट हैं, जो फाइनांशियल स्टूडेंट्स को पढ़ाती हैं। उनके पति पुनीत कालरा भी डॉक्टर हैं।फिल्म में दिवंगत मिथलेश चतुर्वेदी, बनवारी लाल झोल, अनुज नायक, आरती नागपाल जैसे कलाकार भी हैं। शुभ यूनिवर्सल फाउंडेशन के सहयोग से शुभ यूनिवर्सल एंटरटेनमेंट और सामवेदनाईके बैनर तले निर्मित फिल्म का निर्माण शुभराज गुप्ता, माधुरी गुप्ता और डॉ. पुनीत कार्ला ने संयुक्त रूप से किया है। मधु शर्मा क्रिएटिव डायरेक्टर हैं।

महाराष्ट्र में अप्रैल तक भरे जायेंगे 30,000 शिक्षकों के पद

स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर विधानसभा में बयान

मुंबई: महाराष्ट्र के स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में कहा कि शिक्षक योग्यता और बुद्धि परीक्षण (टीएआईटी) के माध्यम से शिक्षकों की 30,000 रिक्तियों को भरा जा रहा है और यह प्रक्रिया अप्रैल तक पूरी हो जाएगी। मंत्री ने कहा कि साल में दो बार टीएआईटी की परीक्षा आयोजित करने का फैसला किया गया है। प्रश्नकाल में एक सवाल का जवाब देते हुए केसरकर ने कहा कि आईबीपीएस और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज को भर्ती का जिम्मा दिया गया है।उन्होंने कहा कि ये कंपनियां केंद्र सरकार के लिए भी काम करती हैं

और भरोसेमंद हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के अप्रैल तक पूरा हो जाने की उम्मीद है तथा अगले अकादमिक साल में नये शिक्षक अध्यापन के लिए उपलब्ध होंगे। महाराष्ट्र में फ़िलहाल सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। उनकी इस हड़ताल में शिक्षक संघ भी शामिल है। हालांकि, अब कुछ शिक्षक संगठन इस हड़ताल से बाहर निकलते हुए नजर आ रहें। कुछ संघटन आज से दोबारा काम पर लौट आये हैं। माना जा रहा है कि शिक्षक संगठों में भी फूट पड़ गयी है। दूसरी तरफ राज्य सरकार ने 30 हजार शिक्षकों के भर्ती की घोषणा विधानसभा में की है। सरकार के इस कदम को भी एक मास्टर स्ट्रोक की तरह से देखा जा रहा है। शिंदे सरकार के इस कदम से यह माना जा रहा है कि ज्यादातर शिक्षक संगठन अपनी हड़ताल वापस ले सकते हैं। हालांकि पुरानी पेंशन योजना को लेकर उनकी हड़ताल चल रही है। जिसे महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों का भी समर्थन प्राप्त है।

तनाव और अनिद्रा के कारण आते हैं बुरे विचार, तो इन उपायों से पाएं राहत

राज के.वेगड़

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों में तनाव और अवसाद होना आम बात है। वहीं तनाव के कारण अनिद्रा की शिकायत भी हो जाती है। कई लोग इन दिनों अनिद्रा से पीड़ित हैं। पूरे दिन के कामकाज के बाद शरीर थक जाता है। वहीं रात में जब थकान के बाद लोग बिस्तर पर जाते हैं, तो भी उन्हें नींद नहीं आती। लोगों की शिकायत रहती है कि रात में भी उनका दिमाग काम करना बंद नहीं करता। दिमाग लगातार चलते रहने के कारण उन्हें नींद नहीं आती। लोग सोना तो चाहते हैं लेकिन मन में हो रहे मंथन व तरह तरह के विचार आने के कारण नींद नहीं आती और लोग देर रात तक जागते रहते हैं। नींद पूरी न होने शरीर में थकावट, उलझन, आंखों में दर्द और कई अन्य शारीरिक व मानसिक समस्याएं होने लगती हैं। लेकिन हर किसी के लिए आठ घंटे की नींद लेना जरूरी होता है। ऐसे में रात में दिमाग को शांत रखने और विचारों पर विराम लगाने के लिए कुछ उपाय अपना सकते हैं, जिससे तनाव व अनिद्रा की शिकायत दूर हो सके। चलिए जानते हैं अनिद्रा और तनाव के कारण रात में आने वाले विचारों और मन भटकने की इस स्थिति के बारे में और इसका इलाज। मनोवैज्ञानिक आधार पर विचारों के मंथन के कारण नींद न आने की स्थिति किसी के साथ भी हो सकती है। इस अवस्था में पीड़ित की चिंताएं सक्रिय हो जाती हैं और उसे सोने में मुश्किल होती है। पीड़ित के मन में कई तरह के विचार आते हैं। हालांकि तनाव में मात्र

अनिद्रा की शिकायत ही नहीं होती। कई बार चिंता व तनाव की अवधि में कई लोग बिस्तर पर जाते ही सो जाते हैं और लंबी नींद लेते हैं। यह स्थिति भी खतरनाक होती है। ऐसे में अगर आप अनिद्रा से पीड़ित हैं तो इसे रेसिंग थॉट्स यानी विचारों का विचरण कहते हैं। इस अवस्था में लोग आंखे बंद करते जागते हैं।

अनिद्रा और रेसिंग थॉट्स का कारण

तनाव और चिंता के कारण दिमाग अधिक गतिशील हो जाता है। यह स्थित अधिकतर उस समय होती है, जब आपके आसपास का वातावरण शांत होता है, यानी रात के समय। यह किसी के साथ भी हो सकता है लेकिन रेसिंग थॉट्स को केवल एंग्जाइटी डिसऑर्डर से पीड़ित लोगों की समस्या माना जाता है, पर यह जरूरी नहीं है। जिन्हें लगता है कि वह चिंतित वह परेशान नहीं हैं, उन्हें भी यह समस्या हो सकती है। तनाव की यह स्थित किसी भी कारण से हो सकती है, जैसे किसी प्रियजन का निधन, नौकरी छूट जाना, तलाक या परिवार में कोई परेशानी, ट्रांसफर या शोक आदि।

अनिद्रा और रेसिंग थॉट्स के लक्षण

रेसिंग थॉट्स यानी रात में बुरे ख्याल आने की स्थिति या विचारों के मंथन से तंग होने वाली अवस्था में कई लोग रात में कमरे में अंधेरा होने के बाद भी सो नहीं पाते। उनका दिमाग विचारों के भवर में घूमता रहता है। बिस्तर पर कुछ देर लेटे रहने के बाद वह व्याकुल होने लगते हैं। लोग फोन इस्तेमाल करके मन को भ्रमित करने का प्रयास करते हैं। कई बार तो भोर होने तक नींद आंखों में नहीं होती।

अनिद्रा और तनाव कम करने के उपाय

- अनिद्रा की शिकायत दूर करने के लिए तनाव और रेसिंग थॉट्स को नियंत्रित करने की जरूरत होती है। इसके लिए अपने लिए दिन में कुछ समय निकालें और चिंता के बारे में सोचकर उसका हल निकालें।
- हर दिन एक निर्धारित समय पर अपने कामों की समीक्षा करें। ताकि आप अपने काम से संतुष्ट हो सके और तनाव को कम कर सकें।
- पूरी नींद लेने के लिए कंप्यूटर, फोन को बंद करके दूर रखें। सोशल मीडिया से दूर रहें, ताकि खुद को आराम दे सकें।
- नींद की तैयारी के लिए कुछ समय लें। कम से कम 30 मिनट सोने में लग सकते हैं। धैर्य बनाकर रखें और बिस्तर पर जाते ही तुरंत नींद न आए तो चिंता न करें।
- आप चाहें तो सोने से पहले कुछ पढ़ें, संगीत सुनें, थोड़ी देर टीवी देख सकते हैं, व्यायाम कर सकते हैं या फिर ध्यान व प्रार्थना कर सकते हैं। इन एक्टिविटी से आपको नींद आ सकती है।
- अगर इसके बाद भी आपको नींद न आए और देर रात तक जागें तो योग या मेडिटेशन करें।

जानना जरूरी: कोविड-19 और H3N2, दोनों के लक्षण लगभग एक जैसे, जानिए कैसे करें इनमें अंतर

चार्ल्स पटेल

कोरोना के जारी संक्रमण के बीच देश में पिछले एक महीने से इन्फ्लूएंजा के वैरिएंट H3N2 के बढ़ते मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। आमतौर पर हल्के लक्षणों वाला माना जाने वाला इन्फ्लूएंजा इस बार लोगों के लिए बड़ी मुसीबतों का कारण बन रहा है। अध्ययनों में पाया गया है कि H3N2 वैरिएंट, गंभीर रोग का कारण बन सकता है, इसका सबसे ज्यादा जोखिम बच्चों में और उन लोगों में देखा जा रहा है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है। इस संक्रमण में लोगों को बुखार के साथ सर्दी-जुकाम, सिर-शरीर में दर्द के साथ कुछ लोगों को सांस की समस्या हो रही है। आमतौर पर इसी तरह की दिक्कत कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान भी होती है।

चूंकि देश में कोरोना संक्रमण के मामले अब भी रिपोर्ट हो रहे हैं, इस बीच H3N2 के बढ़ते संक्रमण के बीच लोगों के लिए समझ पाना कठिन हो रहा है कि यह कोविड-19 है या फिर एच3एन2?

गौरतलब है कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 754 नए मामलों की पुष्टि हुई है, जबकि अब तक H3N2 के कुल संक्रमितों की संख्या 451 है। आइए जानते हैं कि इन दोनों संक्रमणों में किस तरह से अंतर किया जा सकता है? H3N2 के बारे में जानिए H 3 N 2 , इन्फ्लुएंजा-ए वायरस का सबटाइप है जो इन्फ्लूएंजा संक्रमण का कारण बनता है। हालांकि सामान्य इन्फ्लूएंजा संक्रमण की तुलना में इससे संक्रमितों के अस्पताल में भर्ती होने की आशंका अधिक होती है। गंभीर मामलों में इसके कारण मृत्यु का खतरा भी हो सकता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कोमोरबिडिटी वाले लोगों को इससे विशेष बचाव की आवश्यकता है। ऐसे लोगों में H3N2 और कोरोना, दोनों प्रकार के

संक्रमण का खतरा अधिक हो सकता है। आइए जानते हैं कि दोनों के लक्षणों में किस प्रकार से अंतर किया जा सकता है? H3N2 के लक्षण एच3एन2 से संक्रमित लोगों में लगभग उसी प्रकार के लक्षण देखे जा रहे हैं जैसे कि अब तक सामान्य इन्फ्लूएंजा संक्रमण में होते रहे हैं। हालांकि कुछ लोगों में लक्षणों के गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक हो सकता है। संक्रमितों में तेज बुखार के साथ थकान-सुस्ती, शरीर में दर्द, गले में खराश, खांसी, सर्दी-जुकाम और गंभीर स्थितियों में सांस की दिक्कतें हो सकती हैं। इस तरह की समस्या कुछ समय से बनी हुई है तो डॉक्टर से संपर्क करें। कोरोना संक्रमण के लक्षण पिछले तीन साल में कोरोना के कई वैरिएंट्स का संक्रमण देखा गया है। इनसे संक्रमित ज्यादातर लोगों में बुखार, गले में खराश, सर्दी, सिरदर्द-शरीर में दर्द और थकान की समस्या देखी गई। कुछ स्थितियों में कोरोना संक्रमितों ने पाचन तंत्र और श्वसन प्रणाली से संबंधित समस्याओं के बारे में भी सूचित किया गया। हालांकि नए वैरिएंट्स में स्वाद-गंध न आने जैसी दिक्कतें नहीं देखी जा रही हैं। कोविड-19 और H3N2 में कैसे अंतर करें? वैसे तो कोविड-19 और H3N2, दोनों अलग-अलग प्रकार के वायरस के कारण होने वाला संक्रमण है, पर चूंकि ये दोनों संक्रमण श्वसन तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं, ऐसे में दोनों से संक्रमित रोगियों में कई लक्षण मिलते-जुलते हो सकते हैं। इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 दोनों के कारण बुखार के साथ गले में खराश, खांसी, शरीर में दर्द और नाक बहने की समस्या हो सकती है।

चिकित्सकों ने बताया कि H3N2 वायरस, फेफड़ों को ज्यादा प्रभावित नहीं करता है जबकि कोविड-19 के शिकार अधिकांश रोगियों में फेफड़ों से संबंधित दिक्कतें देखी जाती रही हैं। स्वाद-गंध जाने की समस्या कोविड-19 को H3N2 से अलग बनाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक दोनों में अंतर करने का प्रमाणिक तरीका इसकी जांच है।

दोनों प्रकार के संक्रमण से बचाव के लिए भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए। मास्क पहनने, साबुन और सैनिटाइजर से बार-बार हाथ धोते रहने से असानी से बचाव किया जा सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर और लो-ब्लड प्रेशर के लक्षणों में हैं अंतर, पहचान कर करें जरूरी उपचार

महेक जोबनपुत्रा

खानपान में गड़बड़ी और गलत जीवनशैली की वजह से कई तरह की बीमारियां हो रही हैं। इनमें से सबसे सामान्य शारीरिक समस्या है ब्लड प्रेशर या रक्तचाप। ब्लड प्रेशर की समस्या में शरीर का रक्त प्रवाह असंतुलित होने लगता है। इसके कारण शरीर और सेहत पर कई प्रभाव पड़ते हैं। ब्लड प्रेशर की स्थिति तब आती है जब हृदय जो कि हमारे शरीर के सभी अंगों में खून को पंप करने का काम करता है, जब तक हार्ट सामान्य तरीके से शरीर के सभी अंगों में खून का प्रवाह करता है उसे सामान्य ब्लड प्रेशर कहा जाता है। रक्त के सर्कुलेशन में आने वाली समस्याओं को ब्लड प्रेशर की समस्या कहते हैं। ब्लड प्रेशर की बीमारी दो तरह की होती है- एक हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप और लो ब्लड प्रेशर यानी निम्न रक्तचाप। इसे हाइपरटेंशन और हाइपोटेंशन कहते हैं। हाई और लो ब्लड प्रेशर की बीमारी के लक्षणों को जानकर आप दोनों अंतर को पहचान सकते हैं। इस बीपी के लक्षण के मुताबिक उपचार के बारे में जानें। हाई ब्लड प्रेशर का प्रभाव

उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन की गंभीर स्थिति है, जिसमें हमारा हृदय शरीर में ठीक ढंग से खून को पंप नहीं कर पाता। इस दिक्कत को समय पर कंट्रोल न किया जाने से

दिल का दौरा, स्ट्रोक और किडनी फेलियर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हाई ब्लड प्रेशर की रीडिंग में सिस्टोलिक 130 से 139 mm Hg के बीच और डायास्टोलिक 80 से 90 mm Hg के बीच की होती है। लो ब्लड प्रेशर का प्रभाव

हाइपोटेंशन या लो ब्लड प्रेशर की स्थिति में हृदय शरीर में औसत मानक से कम खून का प्रवाह करता है। इस बीमारी में मरीज को कई दिक्कतें हो सकती हैं। लो ब्लड प्रेशर की रीडिंग में सिस्टोलिक 90 mm Hg से कम और डायास्टोलिक 60 mm Hg से कम होता है। इंसान के सामान्य बीपी की जांच सिस्टोलिक - 120 mmHg और डायास्टोलिक 80 mm Hg होता है। हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण

उच्च रक्तचाप की समस्या में विशेष लक्षण दिखाई नहीं देते। इस कारण हाई बीपी का आसानी से पता नहीं चल पाता है। हाई बीपी से ग्रसित लोगों को शुरुआत में सिरदर्द की समस्या लगातार होती है। हाई बीपी की दिक्कत सबसे ज्यादा ठंड के मौसम में बढ़ जाती है। इसमें सिरदर्द, घबराहट और बहुत ज्यादा पसीना आने लगता है। हाइपरटेंशन की स्थिति का सही पता जांच से ही चलता है। लो ब्लड प्रेशर के लक्षण

निम्न रक्तचाप के लक्षणों को अगर लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाए तो इंसान को सदमा हो सकता है। निम्न रक्तचाप के लक्षण जानें-

अत्यधिक थकान
चक्कर आना या बेहोशी
नजर धुंधली होना
मन स्थिर न होना
ठंडी और चिपचिपी त्वचा
त्वचा का पीला पड़ना हाई ब्लड प्रेशर से बचाव के उपाय

हाई बीपी की समस्या से बचने के लिए नियमित स्वस्थ और संतुलित आहार लेना चाहिए।

खाने में नमक की मात्रा कम हो और पोटेशियम की मात्रा को बढ़ाना चाहिए।

कम वसा वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह आपको अपनी जीवनशैली में सुधार करने होंगे। वरना स्वास्थ्य को लेकर बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आपको काम का ज्यादा बोझ लेने से बचना होगा। इस सप्ताह आर्थिक लाभ अच्छे प्राप्त होंगे लेकिन निवेश करने से पहले सारे पक्ष अच्छे से सोच विचार कर लें। यदि पूर्व में अपने करियर में कुछ निराशा हुई है तो इस सप्ताह अच्छी खबरें मिलने लगेंगी।

वृषभ : इस सप्ताह मानसिक शांति की कमी अनुभव होगी, जिससे आपके विचलित रहेंगे। हालांकि आपके व्यक्तित्व के कारण कई लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। समाज में कोई सम्मान प्राप्त होगा, लोकप्रियता बढ़ेगी। इस सप्ताह आजीविका के साधनों में उत्तम परिणाम प्राप्त होने के योग हैं। नौकरी और व्यवसाय में उत्तम कर पाएंगे।

मिथुन : इस सप्ताह आपको स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना होगा। खानपान का ध्यान रखें। इस सप्ताह आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की सलाह है। किसी के कहने में आकर बिना सोचे समझे पैसे का निवेश हानि दे सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का अवसर आएगा। पारिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

कर्क : इस सप्ताह स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा। पुराने रोग उभर सकते हैं। सप्ताह में वित्तीय लाभ अच्छे मिल सकते हैं। जीवनसाथी की मदद से बड़े लाभ प्राप्त करेंगे। नया कार्य प्रारंभ करने के लिए भी समय शुभ है। कार्यस्थल पर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हर चीज आपके विरुद्ध जाएगी।

सिंह : इस सप्ताह सेहत ठीक रहेगी, लेकिन लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें। अचानक धन लाभ होगा, परंतु इस धन की बचत करने की जरूरत होगी, अन्यथा व्यर्थ में व्यय होगा। आर्थिक सतर्कता रखें अन्यथा धन हानि संभव है। घर-परिवार में किसी वाद-विवाद की परिस्थिति में पड़ने से बचें।

कन्या : इस सप्ताह स्वास्थ्य में सुधार पर ध्यान दें। योग, ध्यान अवश्य करें। इससे मानसिक और शारीरिक सेहत में सुधार आएगा। इस सप्ताह आपको भूमि, संपत्ति से जुड़े कार्यों ध्यान देने की जरूरत है। इन योजनाओं में निवेश के लिए समय उत्तम है। परिवार और रिश्तेदारों के साथ संबंधों को फिर जीवित करने का प्रयास करें। कार्यस्थल पर किसी भी विपरीत लिंगी व्यक्ति से परेशानी हो सकती हे।

तुला : इस सप्ताह स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। दूसरों की नकारात्मक बातों पर ध्यान न देते हुए स्वयं की प्रसन्नता पर फोकस करेंगे तो अधिक सुखी रहेंगे। अपने आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए प्रयास करें, इसमें परिवार के अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। अपने कार्यक्षेत्र में लाभ और उन्नति प्राप्त होगी। व्यवसाय में नए आयाम स्थापित कर सकते हैं।

वृश्चिक : इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। इस सप्ताह प्रसन्न होने के अनेक अवसर आएंगे। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। धन लाभ होगा किंतु खर्च की भी अधिकता रहेगी। इसलिए धन को संचय करने के प्रयास करें। कार्य स्थल पर स्थिति आपके पक्ष में रहेगी। पदोन्नति होगी। व्यापारी वर्ग प्रसन्न रहेंगे।

धनु : सप्ताह में सोचे कार्य सभी पूरे होंगे। लाभ के अनेक अवसर आएंगे उनमें से अपने लिए श्रेष्ठ का चयन आपको करना होगा। अवसरों का लाभ उठाने का पूरा प्रयास करें। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह लाभप्रद है। पुराने निवेश से लाभ अर्जित करेंगे। फंसा हुआ पैसा लौट आएगा। परिवार और मित्रों के साथ पर्यटन का अवसर आएगा।

मकर : इस सप्ताह सेहत को लेकर सजग रहने की आवश्यकता है। अधिक यात्राएं करने से बचें। कारोबारियों को आर्थिक हानि होने की आशंका है। किसी भी व्यक्ति पर बिना सोचे समझे विश्वास करना नुकसानदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगा अपने काम से काम रखें, व्यर्थ की बातों से ध्यान हटाएं। परिवार और मित्रों का सहयोग प्राप्त रहेगा।

कुंभ : स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति के लिए सप्ताह शुभ नहीं कहा जा सकता। अचानक बड़ी धनराशि की जरूरत पड़ सकती है। नौकरी में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारी वर्ग सतर्क रहते हुए कार्य करें। कर्ज लेकर काम का विस्तार न करें। भूमि, संपत्ति में निवेश कर सकते हैं किंतु बिना पढ़े समझे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर न करें।

मीन : इस सप्ताह अनेक यात्राओं के योग बन रहे हैं। पारिवारिक कार्य से या प्रोफेशनल कार्यों से यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। किसी को उधार देने से पहले विचार कर लें, पैसा फंसने के योग हैं। घर-परिवार में माहौल सुखद रहेगा लेकिन बीच में किसी बात को लेकर गलतफहमी हो सकती है। नौकरी और व्यापार में उन्नति के योग हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। प्रेम संबंध मजबूत रहेंगे।

चुटकुले

पत्नी- उठो सुबह हो गई,
पति-आंखें नहीं खुल रही हैं, ऐसा
कुछ बोलो कि नींद गायब हो जाए।
पत्नी- रात में जिस जानू से चैट कर
रहे थे, वो मेरी दूसरी ID है,
अब बेचारे पति को 3 दिन से नींद नहीं आ रही है।

दो दोस्त आपस में बात करते हुए...
रामू- मैं कभी ईट का जवाब पत्थर से नहीं देता,
श्यामू: क्यों?
रामू: क्योंकि पत्थर खोजने में बहुत समय लग जाता है...

दांत का डॉक्टर- आपका दांत निकालना पड़ेगा क्योंकि ये सड़ चुका है।
सोनू- हां तो कितने पैसे लगेंगे?
दांत का डॉक्टर- बस 500 रुपये लगेंगे.
सोनू- 50 रुपये ले लो और थोड़ा सा ढीला कर दो, निकाल तो मैं खुद लूंगा।

लड़की- मेरे पापा ने कहा है कि
अगर मैं एग्जाम में फेल हो गई
तो मेरी शादी रिक्शावाले से करा देंगे।
पप्पू- अरे वाह! मेरे पापा ने कहा है
कि अगर मैं फेल हुआ तो मुझे रिक्श दिला देंगे।

पत्नी: मैं बचूंगी नहीं मर जाउंगी!
पति: मैं भी मर जाऊंगा!
पत्नी: मैं तो बीमार हूं इसलिए मर जाउंगी लेकिन तुम किस लिए??
पति: मैं इतनी खुशी बर्दाश्त नहीं कर पाउंगा...
पत्नी तुरंत बिस्तर से उठकर खड़ी हो गई

प. रेलवे के मुंबई मंडल ने सर्वाधिक वाणिज्यिक राजस्व हासिल किया

पश्चिम रेलवे अपने राजस्व को बढ़ाने और इस गति को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करती है। पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के इतिहास में पहली बार मुंबई मंडल ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 में अपना अब तक का उच्चतम वाणिज्यिक राजस्व हासिल किया। मंडल ने वाणिज्यिक राजस्व में 3500 करोड़ रुपये के मील के पत्थर को पार कर लिया है और इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 3660 करोड़ रुपये के समग्र राजस्व का आंकड़ा हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने इस उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए टीम को बधाई दी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा के अनुसार वाणिज्यिक राजस्व में इस शानदार उपलब्धि के लिए पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल ने मई, 2022 में भारतीय रेल के किसी भी मंडल के लिए टिकट जांच में अपनी सर्वाधिक मासिक आमदनी दर्ज की। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए मंडल ने टिकटिंग के आरक्षित खंड में अब तक की सर्वाधिक आमदनी भी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि मुंबई मंडल ने अन्य कोचिंग (ओसीएच) आमदनी में अब तक की सर्वाधिक आमदनी दर्ज की है जिसमें टिकट जांच और पार्सल राजस्व शामिल है। कैटरिंग स्टॉल के माध्यम से योगदान के साथ-साथ मंडल ने पे एंड पार्क संविदा से अब तक का सर्वाधिक राजस्व प्राप्त किया।

रविवार को दिवस कालीन ब्लॉक नहीं

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शनिवार, 18 मार्च एवं रविवार, 19 मार्च, 2023 की मध्यरात्रि को वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच 23.30 बजे से 03.30 बजे तक अप फास्ट लाइन पर तथा 00.45 बजे से 04.45 बजे तक डाउन फास्ट लाइन पर चार घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा के अनुसार ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन फास्ट लाइन की सभी ट्रेनों को विरार तथा भायंदर/बोरीवली स्टेशनों के बीच धीमी लाइनों पर चलाया जायेगा। ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन दिशा की कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इस ब्लॉक के बारे में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

राष्ट्रपति ने 'कुडुम्बश्री' रजत जयंती समारोह का उद्घाटन किया

मुर्मू ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में केरल की उपलब्धियों की प्रशंसा की

राष्ट्रपति के तौर पर पहली बार केरल का दौरा कर रहीं द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के मामले में दक्षिणी राज्य द्वारा हासिल की गई प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि यह कई मानव विकास सूचकांकों पर राज्य के बेहतर प्रदर्शन में परिलक्षित हुआ है। मुर्मू ने कहा कि केरल में लिंगानुपात देश में अब तक सबसे अच्छा है और यहां साक्षरता दर भी सबसे अधिक है, जिसमें महिला साक्षरता भी शामिल है। मुर्मू ने कहा कि मातृ स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और शिशु मृत्यु दर को रोकने के मानकों पर केरल का प्रदर्शन देश में सबसे अच्छा है। राष्ट्रपति ने कहा, मेरा मानना है कि जब महिलाओं को किसी भी समाज में महत्वपूर्ण भूमिकाएं दी जाती हैं, तो उस समाज की समग्र बेहतरी पर इसका असर होता है। केरल में महिलाएं अधिक शिक्षित और सशक्त हुई हैं, जो कई मानव विकास सूचकांकों पर केरल के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। राष्ट्रपति यहां आयोजित एक कार्यक्रम में रचना के माध्यम से कुदुम्बश्रीए केरल में महिलाओं की समकालीन कहानियांअ और अनुसूचित जनजाति के व्यापक विकास के लिए उन्नति का उद्घाटन करने के बाद बोल रही थीं। इस कार्यक्रम में राज्य के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन भी मौजूद थे। मुर्मू ने कहा, केरल में महिला सशक्तिकरण की उच्च परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, कुदुम्बश्री दुनिया में महिलाओं के सबसे बड़े स्वयं सहायता नेटवर्क में से एक बन गया है। मैं कुदुम्बश्री के रजत जयंती समारोह के उद्घाटन का आयोजन करने के लिए केरल सरकार को धन्यवाद देती हूं। राष्ट्रपति ने कहा कि यह भारत-रत्न अटल बिहारी वाजपेई की दृष्टि और संवेदनशीलता को कृतज्ञतापूर्वक याद करने का अवसर भी है, जिन्होंने 1998 में प्रधानमंत्री रहते हुए कुदुम्बश्री का शुभारंभ किया था। मुर्मू ने कहा कि वह केरल के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के निवासियों के विकास के लिए यहां शुरू किए गए कार्यक्रम उन्नति से जुड़कर खुश हैं। उन्होंने कहा, उन्नति या केरल एम्पावरमेंट सोसाइटी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से संबंधित युवाओं के बीच रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर उत्पन्न करना चाहती है। मैं इस पहल को समावेशी विकास के उसके प्रयासों में सफलता की कामना करती हूं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्रों में सहायक पहलों के साथ उच्च प्राथमिकता दी जाती है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि केरल के लोगों का महानगरीय दृष्टिकोण अनुकरणीय है। उन्होंने कहा, केरल में सभी धर्मों के लोग सद्भाव से एकसाथ रह रहे हैं तथा वे इस खूबसूरत राज्य की भाषा और संस्कृति से बंधे हुए हैं। मुर्मू ने कहा कि केरल के सामाजिक ताने-बाने के हर हिस्से में इतिहास के विभिन्न कालखंडों में महिला सशक्तिकरण के चमकते आदर्श हैं। उन्नियार्चा ने मार्शल आर्ट के माध्यम से स्वयं सहायता का एक अनुकरणीय उदाहरण स्थापित किया है। वह केरल के लोकगीतों में अमर हैं। नंगेली ने दलित महिलाओं पर थोपी गई अनुचित प्रथाओं के विरोध में अपना जीवन बलिदान कर दिया। संघर्ष करने वालों की पीढ़ियां अभी भी उनसे प्रेरणा लेती हैं जो सामाजिक सम्मान और न्याय के लिए लड़े।

रेल राज्य मंत्री ने किया जयपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के जयपुर रेलवे स्टेशन का रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री भारत सरकार दर्शना विक्रम जरदोश ने किया निरीक्षण। जयपुर मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र द्वारा स्टेशन पर उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री महोदया द्वारा जयपुर रेलवे स्टेशन के कॉर्नकोर्स हॉल में स्थापित जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास संबंधित मॉडल का अवलोकन किया। उनहोंने बताया कि साथ ही जयपुर स्टेशन रि-डेवलपमेंट के पश्चात स्टेशन पर प्रदान की जाने वाली यात्री सुविधाओं,पार्किंग की व्यवस्था, स्टेशन पर पिक एंड ड्रॉप मार्ग,कॉर्नकोर्स एरिया,स्टेशन बिल्डिंग की डिजाइन एवं अधिकतम स्पेस यूटिलाइजेशन की जानकारी प्राप्त की तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किये। रेल राज्य मंत्री द्वारा जयपुर रेलवे स्टेशन पर स्थित खान-पान स्टॉल पर क्यूआर कोड स्कैनर से डिजिटल पेमेंट कर चाय पी कर गुणवत्ता की जांची की। साथ ही रेलवे स्टेशन पर स्थित एक स्टेशन एक उत्पाद का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक - मनीष कुमार गोयल,वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक - मुकेश सैनी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक - डॉ. राकेश कुमार, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त- ज्योति मणि व मंडल के अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

हेमंत से केंद्रीय सरना समिति के सदस्यों ने भेंट की

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा स्थित प्रशासनिक समिति कक्ष में केंद्रीय सरना समिति के सदस्यों ने मुलाकात की। समिति के लोगों ने मुख्यमंत्री को 24 मार्च 2023 को केंद्रीय सरना स्थल, सिरम टोली में आयोजित सरहुल महोत्सव एवं कांके में सरहुल पर्व की पूर्व संध्या पर 22 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इस मौके पर केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, राष्ट्रीय सरना धर्मगुरु प्रवीण उरांव, महासचिव संतोष तिर्की एवं अन्य उपस्थित थे।

ममता बनर्जी अगले सप्ताह ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से कर सकती हैं भेंट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 23 मार्च को पड़ोसी राज्य की दो दिवसीय यात्रा के दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात कर सकती हैं। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी। ममता पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पूजा भी करेंगी। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सदस्य सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा, वह (बनर्जी) 23 मार्च को नवीन पटनायक से मुलाकात करेंगी। दोनों नेता 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए विपक्षी एकता पर चर्चा कर सकते हैं। बनर्जी के 21 मार्च की शाम को ओडिशा रवाना होने और अगले दिन पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में पूजा करने की संभावना है।

असम में सभी मदरसों को बंद कर देंगे : हिमंत विश्व सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि उनका इरादा अपने राज्य के सभी मदरसों को बंद करने का है, क्योंकि नए भारत में उनकी जरूरत नहीं है। कर्नाटक के बेलगावी में बृहस्पतिवार रात एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि राज्य व देश की सेवा के लिए असम को डॉक्टरों, इंजीनियरों और अन्य पेशेवरों को तैयार करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की जरूरत थी, न कि मदरसों की। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, मैं असम का निवासी हूं, जहां प्रतिदिन बांग्लादेश से लोग आते हैं। हमारी संस्कृति और परंपराओं के लिए खतरा उत्पन्न हो रहा है। हाल ही में दिल्ली में एक टीवी साक्षात्कार में मुझसे पूछा गया कि 600 मदरसों को बंद करने को लेकर मेरी सोच क्या थी। मैंने कहा कि मैंने 600 बंद कर दिए हैं, लेकिन मेरा इरादा सभी मदरसों को बंद करने का है। असम के मुख्यमंत्री ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कांग्रेस और वामपंथियों पर इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस को 'नए मुगलै भी करार दिया है। हेमंत विश्व शर्मा ने कहा, इस नए भारत में मदरसों की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि हमें इस दिशा में आगे बढ़ना है, हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को बदलना है। समय आ गया है कि हम अपने इतिहास को नए तरीके से फिर से लिखें क्योंकि इसे पहले तोड़ा-मरोड़ा गया था। असम के मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित एक लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन करने के बाद यहां एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय विधायक अभय पाटिल ने छह साल पहले लाइट एंड साउंड शो की योजना बनाई थी, लेकिन कांग्रेस ने इसके लिए कोई मदद नहीं की। उन्होंने कहा, तब कांग्रेस सरकार ने कोई मदद नहीं की थी। कांग्रेस क्यों मदद करेगी? कांग्रेस कभी मदद नहीं करेगी। कांग्रेस बाबर के बारे में सोचेगी, लेकिन छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में नहीं। इस लाइट एंड साउंड शो से भाजपा विधायक ने यह सुनिश्चित किया है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों का इस देश में पालन किया जाएगा और भविष्य में भी सनातन (धर्म) का पालन किया जाएगा, और सनातन आदर्शों को इस देश में मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह रेखांकित करते हुए कि इस देश में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो गर्व से यह दावा करते हैं कि वे मुस्लिम हैं या ईसाई हैं असम के मुख्यमंत्री ने कहा मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन, हम चाहते हैं कि लोग गर्व से कहें, मैं एक हिंदू हूं। इसके बाद शर्मा ने सनातन धर्म और इसकी परंपराओं की रक्षा को लेकर शिवाजी के योगदान को याद करते हुए 17वीं शताब्दी के मुगल शासक औरंगजेब के हिंदू धर्म को नष्ट करने के कथित प्रयास को लेकर निराधार टिप्पणी की।

मेघालय को पहली बार मिली इलेक्ट्रिक ट्रेन

अभयापुरी-पंचरत्न, दुधनई-मेंदीपथार अनुभागों का सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ विद्युतीकरण

वर्ष 2030 तक भारतीय रेल के शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जक बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल पूरजोर प्रगति कर रही है। पूर्ण विद्युतीकरण के प्रयास में, पू. सी. रेल ने 15 मार्च, 2023 को दुधनई-मेंदीपथार (22.823 ट्रैक किलोमीटर) एकल लाइन अनुभाग और अभयापुरी-पंचरत्न (34.59 ट्रैक किलोमीटर) दोहरी लाइन अनुभाग को शुरु कर एक और कीर्तिमान हासिल किया है। सेंट्रल ऑर्गेनाइजेशन फॉर रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन (कोर) ने इन अनुभागों में विद्युतीकरण कार्य किए हैं। मेंदीपाथर पूर्वोत्तर राज्य मेघालय का एकमात्र रेलवे स्टेशन है, जो भारत के प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद 2014 से सेवा में है। विद्युत कर्षण शुरु होने के बाद, विद्युत रेलइंजन द्वारा चलाई जाने वाली ट्रेनें अब मेघालय के मेंदीपाथर से सीधे संचालित हो सकेंगी, जिससे औसत गति में वृद्धि होगी। अधिक यात्री और मालवाही ट्रेनें पूर्ण अनुभागीय गति के साथ इन अनुभागों से संचालित करने में सक्षम होंगी। इस अनुभाग में समय की पाबंदी में भी वृद्धि होगी। अन्य राज्यों से विद्युत रेलइंजन द्वारा पार्सल और मालवाही ट्रेनें सीधे मेघालय पहुंच सकेंगी। विद्युतीकरण से पूर्वोत्तर भारत में ट्रेनों की गतिशीलता में काफी सुधार होगा। उन्होंने बताया कि जीवाश्म ईंधन से विद्युत की ओर शिफ्ट होने के कारण प्रदूषण में कमी के अलावा, इस क्षेत्र में रेलवे प्रणाली की दक्षता में भी सुधार होगा। इससे निर्बाध परिवहन की सुविधा होगी और कीमती विदेशी मुद्रा में बचत के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों से आने-जाने वाले ट्रेनों के यात्रा समय में भी बचत होगी।

अगले वित्त वर्ष में छह प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : क्रिसिल

देश की अर्थव्यवस्था के अगले वित्त वर्ष 2023-24 में छह प्रतिशत की धीमी रफ्तार से बढ़ने का उम्मीद है। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने बृहस्पतिवार को यह अनुमान लगाया है। क्रिसिल का यह अनुमान अर्थव्यवस्था की वृद्धि के बारे में लगाए गए अन्य आकलन के समान है। एजेंसी का मानना है कि अगले पांच वित्त वर्ष में भारत की औसत आर्थिक वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहेगी। क्रिसिल ने आगे कहा कि अगले वित्त वर्ष में कंपनियों की आय में दो अंकीय वृद्धि हो सकती है। वहीं राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने की संभावना जताई है। ज्यादातर विश्लेषक इसे एक महत्वाकांक्षी आंकड़ा मान रहे हैं। सात प्रतिशत की कुल वृद्धि दर के लिए अर्थव्यवस्था को चालू वित्त वर्ष की मौजूदा तिमाही में 4.5 से अधिक की दर से बढ़ना होगा। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री डी के जोशी ने अपने वार्षिक वृद्धि अनुमान में कहा कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, लगातार उंची मुद्रास्फीति और इसका मुकाबला करने के लिए ब्याज दरों में बड़ी बढ़ोतरी ने वैश्विक परिवेश को और अधिक निराशाजनक बना दिया है। मई, 2022 से नीतिगत दर रेपो में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि का प्रभाव अगले वित्त वर्ष में अधिक देखने को मिलेगा। उंचे आधार प्रभाव की वजह से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के अगले वित्त वर्ष में औसतन पांच प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में यह करीब 6.8 प्रतिशत रहेगी। रबी की अच्छी फसल से खाद्य मुद्रास्फीति को कम करने में मदद मिलेगी, धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था से मुख्य मुद्रास्फीति नरम होगी। एजेंसी के प्रबंध निदेशक अमीश मेहता ने कहा कि देश की मध्यम अवधि की वृद्धि संभावनाएं बेहतर हैं। हमें उम्मीद है कि अगले पांच वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की औसतन सालाना वृद्धि दर 6.8 रहेगी।

तृणमूल और सपा ने मिलकर भाजपा से लड़ने का किया फैसला

तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस विरोधी पार्टियों को एकजुट करने का निर्णय किया है। दोनों दलों के नेता भाजपा और कांग्रेस पर हमला बोल रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भाजपा और कांग्रेस से समान दूरी बनाने वाली पार्टियों को एकजुट करने का फैसला किया है। समाजवादी पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक के लिए कोलकाता पहुंचे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को साफ कहा कि समाजवादी पार्टी भाजपा और कांग्रेस से समान दूरी बनाए रखेगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने का आह्वान किया। साथ ही यह साफ कर दिया कि लोकसभा चुनाव के बाद मोर्चा के नेता का चयन होगा। दूसरी ओर, टीएमसी ने भी अपनी बैठक में भाजपा विरोधी और कांग्रेस से समान दूरी बनाने का ऐलान किया। शाम को अखिलेश यादव ममता बनर्जी के आवास पर पहुंचे और उनके साथ बैठक की। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव कोलकाता आये हैं। उन्होंने कहा कि जब आप बंगाल आते हैं तो कोलकाता आना हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने भी मुस्कुराते हुए मीठा दही खाने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने केंद्र की ईडी-सीबीआई जांच पर हमला बोला। भाजपा के खिलाफ तंज कसा और उन्होंने कांग्रेस को भी आड़े हाथ से लिया। साल 2024 में लोकसभा चुनाव है और लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। विपक्षी दलों ने अभी से भाजपा से लड़ाई में जमीन बनाने की तैयारी शुरू कर दी है भाजपा को रोकने के लिए तीसरा मोर्चा बनाने की कवायद शुरू हो गई है। इस लिहाज से ममता-अखिलेश की मुलाकात खास तौर पर अहम मानी जा रही है। भविष्य में ममता को प्रधानमंत्री के रूप में क्या देखना चाहते हैं अखिलेश? सपा प्रमुख का फौरन जवाब था, हम मिलकर तय करेंगे। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा में नेता सुदीप बनर्जी ने भी साफ कर दिया कि जो पार्टी जिस राज्य में मजबूत हैं। वहां चुनाव लड़े और नेता का फैसला लोकसभा चुनाव के बाद होगा. सुदीप बनर्जी ने कहा कि ममता बनर्जी मार्च के अंतिम सप्ताह या अप्रैल के पहले सप्ताह में दिल्ली जाएंगी।

पोर्टल *रोजगार के लिए अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे*

सीएम हेमंत सोरेन 'झारनियोजन पोर्टल' का उद्घाटन किया

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में झारनियोजन पोर्टल का शुभारंभ किया। श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग की ओर से बनाए गए http://jharniyojan.jharkhand.gov.in पोर्टल के माध्यम से सरकार नियोक्ता एवं रोजगार ढूंढ रहे अभ्यर्थियों को प्लेटफार्म देने का प्रयास कर करेगी। पोर्टल पर नियोक्ता अपने व्यवसाय एवं उससे संबंधित मानव बल के बारे में जानकारी साझा कर सकते हैं। रोजगार के लिए अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन कर आवेदन भी भर सकेंगे। राज्य के बेरोजगार युवक/युवतियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से झारखंड सरकार द्वारा झारखण्ड राज्य के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 पारित किया गया है, एवं अधिनियम के क्रियान्वयन से सम्बंधित नियमावली की अधिसूचना के उपरांत यह अधिनियम 12 सितंबर 2022 से सम्पूर्ण झारखंड राज्य में प्रभावी है। यह अधिनियम वैसे सभी प्रतिष्ठान जो निजी क्षेत्र के हों एवं जहां 10 या 10 से अधिक कार्यबल कार्य कर रहे हैं पर लागू होता है। अधिनियम के प्रभावी होने के तिथि से वैसे सभी प्रतिष्ठान जिन पर यह अधिनियम लागू होता है द्वारा यदि कोई रिक्ति निकाली जाती है तो ?40,000 वेतन तक के पदों की नियुक्ति में 75प्र. स्थानीय को नियुक्त करना होगा। झारखण्ड के युवा जो इस अधिनियम का लाभ उठाना चाहते हैं को रोजगार पोर्टल पर निबंधित होना होगा। स्थानीय कम्पनियों द्वारा स्थानीय स्तर पर आवश्यक कौशल युक्त मानव बल की कमी के बारे में सूचित किया जाता है तो सरकार द्वारा आवश्यक कौशल के सम्बंध में प्रशिक्षण दिलाकर स्थानीय युवाओं को योग्य बनाने का प्रावधान अधिनियम के अन्तर्गत किया गया है। अधिनियम के अन्तर्गत दण्ड का प्रावधान है परंतु झारखण्ड राज्य के प्रति अपने सामाजिक एवं नैतिक दायित्वों के निर्वहन के क्रम में स्थानीय कम्पनियों एवं नियोक्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि अधिनियम का स्वेच्छा से अनुपालन कर स्थानीय युवक/युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदार करेंगे। अधिनियम/ नियम का विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में 10 या 10 से अधिक व्यक्तियों का नियोजन करने वाला कोई व्यक्ति अथवा ऐसी संस्था जिसे सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए, पर लागू होगा। केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के उपक्रम शामिल नहीं होंगे, किन्तु केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकार के प्रतिष्ठानों/उपक्रमों में बाह्यस्त्रोत से सेवा उपलब्ध कराने वाली संस्था पर इस अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे। झारनियोजन पोर्टल पर निबंधित करेगा एवं 30 दिनों के अन्दर 40000 रुपये तक वेतन पाने वाले कर्मचारियों की विवरणी पोर्टल में प्रविष्ट करेगा। अधिनियम/नियम के तहत प्रत्येक नयी परियोजना प्रारंभ करने वाले नए नियोक्ता परियोजना के प्रारंभ होने के 30 दिन पूर्व प्राधिकृत अधिकारी जिला नियोजन पदाधिकारी/ नियोजन पदाधिकारी) को उक्त अधिनियम के अधीन आने वाले कर्मचारियों की संख्या को आवश्यक कौशल के साथ स्पष्टतः इंगित करते हुए आवश्यक कर्मचारियों की संख्या की जरूरत सम्बंधी विवरण को प्रस्तुत करना होगा।

शलभ गोयल ने पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया

भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सेवा (1989 बैच) के वरिष्ठ अधिकारी शलभ गोयल ने पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक के पद पर पदस्थापन से पूर्व आप मध्य रेल में मुख्य विद्युत लोकोमोटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। गोयल भारतीय रेलवे में मध्य रेल, उत्तर रेलवे, रेल मंत्रालय के साथ-साथ प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं। आपको रेलवे विद्युतीकरण, विद्युत लोकोमोटिव अनुरक्षण एवं परिचालन, ऊर्जा प्रबंधन आदि सहित रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य का गहन अनुभव प्राप्त है। गोयल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से ऊर्जा अध्ययन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने रेल मंत्रालय में कार्यकारी निदेशक, मध्य रेल के मुंबई मंडल में मंडल रेल प्रबंधक और मध्य रेल में मुख्य विद्युत लोकोमोटिव इंजीनियर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान गोयल ने कोविड-19 की सबसे कठिन अवधि को कुशलता से संभाला और अत्यंत कठिन परिस्थितियों के बावजूद ट्रेन परिचालन को जारी रखा गया। अपने शानदार करियर में शलभ गोयल उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए महाप्रबंधक और रेल मंत्री पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं।

SPORTS खेल जगत

विश्व कप से पहले अपने हाथ खोलेगी टीम इंडिया

●ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला का आगाज आज से

भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो इस साल के आखिरी में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के साथ उसकी नजरें हरफनमौला हार्दिक पंड्या के नेतृत्व कौशल को परखने पर होगी। नियमित कप्तान रोहित शर्मा पारिवारिक प्रतिबद्धता के कारण इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं है और उनकी गैरमौजूदगी में पंड्या टीम का नेतृत्व करेंगे। पंड्या की कप्तानी में गुजरात जायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के अपने पहले सत्र में खिताब जीता था। वह पिछले कुछ समय से टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम का नेतृत्व कर रहे है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला को 2-। से जीतने के साथ ही जून में आयोजित होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल का टिकट पक्का करने के बाद भारतीय टीम अब 50 ओवर के प्रारूप के विश्व कप के लिए अपनी तैयारी को दुरस्त करना चाहेगी। एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन इस साल अक्टूबर नवंबर में भारत में होगा। भारत ने अपना पिछला विश्वकप घरेलू सरजमीं पर महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में 2011 में जीता था। इसे ध्यान में रखते हुए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम से भी ऐसी ही सफलता की उम्मीद होगी। भारतीय टीम ने इस साल श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ दो अलग-अलग श्रृंखलाओं में एकदिवसीय प्रारूप में सभी छह मैच जीतकर शानदार शुरुआत की है। इन छह एकदिवसीय मैचों में शुभमन गिल ने तीन शतक और 113.40 की औसत के साथ 567 रन बनाए है। पहले मैच में रोहित की गैरमौजूदगी में उन पर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने का दबाव होगा। अहमदाबाद में चौथे और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट शतक के बाद उनसे ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अहमदाबाद में टेस्ट में 186 रन की पारी खेलने वाले कोहली ने सीमित ओवरों की खराब फॉर्म को पहले ही पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने इस साल 67.60 के शानदार औसत से 338 रन बनाए है और अपने पसंदीदा प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वह 75 अंतरराष्ट्रीय शतकों के आंकड़े को आगे बढ़ाना चाहेंगे। कोहली इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा का सामना कैसे करते है यह देखना दिलचस्प होगा। भारतीय रन मशीन के खिलाफ जम्पा का रिकॉर्ड शानदार रहा है। कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल ने बुधवार को यहां एक वैकल्पिक अभ्यास सत्र के दौरान एक साथ गेंदबाजी की। यह दोनों लेग स्पिनर विकेट लेने की अपनी क्षमता और सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय आक्रमण में अहम हथियार बन सकते हैं। कुलदीप इस साल पांच मैचों में 11 विकेट लेकर भारत के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर रहे हैं, जबकि तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज इतने ही मैचों में 14 विकेट चटकाए हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति के बावजूद किसी भी परिस्थिति में मैच जीतने का माद्दा रखती है। पांच बार के विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया भी इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को भी अंतिम रूप देना चाहता है। कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व करेंगे। टीम ने आखिरी दो टेस्ट मैच में उनकी कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन किया था। कमिंस और जोश हेजलवुड इस एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं हैं लेकिन अनुभवी बल्लेबाज डेविड वार्नर और हरफनमौला एश्टन एगर राष्ट्रीय टीम से जुड़ गए है। यह दोनों खिलाड़ी टेस्ट श्रृंखला के दौरान स्वदेश लौट गए थे। ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए यह इस साल का पहला एकदिवसीय मैच होगा।

श्रेयस की अनुपस्थिति से भारत की विश्व कप की तैयारियों पर असर पड़ेगा : पंड्या

भारत के कार्यवाहक कप्तान हार्दिक पंड्या ने गुरुवार को यहां कहा कि चोटिल श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति का भारत की इस साल के आखिर में होने वाले वनडे विश्वकप की तैयारियों पर असर पड़ेगा। अय्यर पीठ की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं और वह कब तक वापसी कर पाएंगे इसकी कोई निश्चित समय सीमा भी नहीं है। उनका इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती मैचों से भी बाहर रहने की संभावना है। पंड्या ने पहले वनडे की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, निश्चित तौर पर उनकी वापसी की कोई समय सीमा तय नहीं है लेकिन हम अच्छे की उम्मीद कर रहे हैं। हम उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उनकी (अय्यर) अनुपस्थिति का असर पड़ेगा और निश्चित तौर पर हमें उनकी कमी खलेगी लेकिन अगर वह जल्दी वापसी नहीं कर पाते हैं तो हमें समाधान ढूंढना होगा। अगर वह टीम में होता है तो यह स्वागत योग्य है लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो अभी इस पर विचार करने के लिए काफी समय है कि हमें कैसे आगे बढ़ना है। भारत के चोटिल खिलाड़ियों की सूची में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी शामिल है जिनकी हाल में न्यूजीलैंड में पीठ की सर्जरी की गई थी। उनका लक्ष्य विश्वकप तक वापसी करना है। ऐसी कोई दीर्घकालिक योजना नहीं है। जस्सी (बुमराह) पिछले कुछ समय से टीम के साथ नहीं है। हमारा गेंदबाजी समूह अच्छी भूमिका निभा रहा है। वे सभी अब अनुभवी हैं। जस्सी के होने से बड़ा अंतर पैदा होता है लेकिन ईमानदारी से कहूं हम इसको लेकर बहुत परेशान नहीं है क्योंकि जिन खिलाड़ियों ने जस्सी की भूमिका संभाली है मुझे पूरा विश्वास है कि वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारत पहले वनडे में नियमित कप्तान रोहित शर्मा के बिना खेलेगा जो पारिवारिक प्रतिबद्धताओं के कारण इस मैच से बाहर हो गए हैं। पंड्या ने कहा कि उनकी अनुपस्थिति में इशान किशन और शुभमन गिल पारी का आगाज करेंगे। इशान और शुभमन पारी की शुरुआत करेंगे।

भारतीय खिलाड़ी कार्यभार प्रबंधन के फैसले से सहज हैं : पंड्या

मुंबई, 16 मार्च (भाषा) भारतीय हरफनमौला और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे के लिए कार्यवाहक कप्तान हार्दिक पंड्या ने गुरुवार को कहा कि द्विपक्षीय श्रृंखलाएं आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) टूर्नामेंटो की तरह ही प्रतिस्पर्धी है और पिछली वैश्विक प्रतियोगिताओं की असफलता की बातों को दोहराते रहना समय व्यर्थ करने जैसा है। भारत ने घरेलू और विदेश परिस्थितियों में आम तौर पर द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह करीब एक दशक से आईसीसी टूर्नामेंटो में नियमित रूप से असफल हो रहा है। सबसे हालिया निराशा ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के हाथों सेमीफाइनल में मिली हार है। पंड्या ने कहा कि टीम ने इस चलन को बदलने के लिए कुछ भी नया करने की कोशिश नहीं की है और उनका ध्यान द्विपक्षीय मुकाबलों से सीखने पर है। इस हरफनमौला ने यहां वानखेड़े स्टेडियम में मीडिया से कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ नया करने की कोशिश की है। हम थोड़ा जज्बा दिखाने की कोशिश करेंगे। मुझे लगता है कि पिछली कुछ श्रृंखलाओं में हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ए सभी द्विपक्षीय मुकाबले उतने ही चुनौतीपूर्ण है।

अमनदीप को दूसरे दौर के बाद चार शॉट की बढ़त

गुरुग्राम। अमनदीप द्राल ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में पांच अंडर 67 का कार्ड खेला और महिला पेशेवर गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के छठे चरण में गुरुवार को यहां चार शॉट की मजबूत बढ़त हासिल की। पिछले साल हीरो महिला इंडियन ओपन की उपविजेता अमनदीप का कुल स्कोर सात अंडर 137 हो गया है और वह अनुभवी वाणी कपूर (71-70) और त्वेसा मलिक (71-70) से चार शॉट आगे है।

दीक्षा 71 के कार्ड के साथ संयुक्त रूप से 21वें पायदान पर

सिंगापुर। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने अरामको टीम सीरीज-सिंगापुर प्रतियोगिता के आखिरी तीन होल में दो बर्डी लगाकर शानदार वापसी की और एक अंडर 71 का कार्ड खेला। वह व्यक्तिगत खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से 21वें स्थान पर है। जिसमें निकोल ग्रासिया पांच अंडर 67 के कार्ड के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

इन्फेंटिनो फिर से फीफा अध्यक्ष चुने गए

किगाली। जियानी इन्फेंटिनो को गुरुवार को सर्वसम्मति से 2027 तक फिर से फीफा (वैश्विक फुटबॉल का संचालन करने वाली सर्वोच्च संस्था) अध्यक्ष चुना गया। इन्फेंटिनो के विरोध में कोई उम्मीदवार नहीं था और उन्होंने 211 महासंघों की कांग्रेस में औपचारिक मतदान के बजाय सर्वसम्मति से अगले चार साल के लिए भी यह पद संभाला।

लिवरपूल को हराकर मैड्रिड चैम्पियन्स लीग के क्वार्टर फाइनल में

मैड्रिड। रीयाल मैड्रिड ने चैम्पियन्स लीग प्री-क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में लिवरपूल को 1-0 से शिकस्त देकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। मौजूदा चैम्पियन रीयाल मैड्रिड ने पहले चरण का मुकाबला 5-2 से जीता था। उसने कुल 6-2 की जीत के साथ बचाव का अपना अभियान जारी रखते हुए लगातार तीसरी बार अंतिम आठ में जगह बनाई। बुधवार को खेले गए मैच का इकलौता गोल करीम बेंजेमा ने किया।

कभी नहीं रह गया था टीम नेतृत्व का जज्बा

●कोहली ने 2021 के बाद आईपीएल कप्तानी छोड़ने पर कहा

भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 सत्र के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कप्तान का पद छोड़ने के अपने फैसले पर कहा कि उन्हें खुद से भरोसा उठ गया था और इस काम के लिए उनका जज्बा भी कम हो गया था। कोहली की कप्तानी में आरसीबी की टीम 2017 और फिर 2019 में आईपीएल तालिका में सबसे नीचे रही थी। कोहली ने भारतीय टी20 टीम की कमान छोड़ने के बाद 2021 सत्र में आरसीबी की कप्तानी भी छोड़ दी थी। उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस टीम के कप्तान बने थे। कोहली ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ आरसीबी के मैच से पहले महिला टीम की खिलाड़ियों से कहा, जिस समय मेरी कप्तानी का कार्यकाल समाप्त हो रहा था, ईमानदारी से कहूं तो मुझे खुद पर ज्यादा भरोसा नहीं था। इसे लेकर मेरे अंदर कोई जज्बा नहीं बचा था। उन्होंने बुधवार को कहा, वह हालांकि मेरा अपना नजरिया था, एक व्यक्ति के तौर पर मैं खुद से कह रहा था कि मैंने काफी उतार-चढ़ाव झेले हैं अब इसे और नहीं संभाल सकता हूं। आरसीबी की टीम 2016 के बाद पहली बार 2020 में प्लेऑफ में पहुंची थी। टीम इसके अलगे दो सत्र में भी इसे दोहरने में सफल रही लेकिन खिताब नहीं जीत सकीं। अगले सत्र (2020) में टीम में नए खिलाड़ी जुड़े, उनके पास नए विचार थे और यह एक और मौके की तरह था। वे काफी रोमांचित थे, व्यक्तिगत तौर पर हो सकता है कि मैं उतना उत्साहित नहीं था लेकिन उनकी सकारात्मक ऊर्जा से हम लगातार तीन साल प्लेऑफ में पहुंचे। भारतीय टीम के इस पूर्व कप्तान ने कहा, हम हर सत्र की शुरुआत उसी उत्साह के साथ करते हैं जो पहले था। मैं अब भी उत्साहित महसूस कर रहा हूं। टीम को सफलता दिलाना एक सामूहिक जिम्मेदारी है, अगर किसी के आत्मविश्वास में कमी होती है तो दूसरे खिलाड़ी उसका हौसला बढ़ाते हैं। कोहली ने 2021 टी20 विश्व कप के बाद भारत के टी20 कप्तान के रूप में पद छोड़ने का मन बना लिया था। बाद में उन्हें एकदिवसीय की कप्तानी से हटा दिया गया। उन्होंने इसके बाद टेस्ट टीम की कप्तानी भी छोड़ दी। भारतीय टीम से कप्तानी की भार से मुक्त होने के बाद उन्होंने आरसीबी के कप्तान पद को छोड़ने का फैसला किया। दिल्ली के इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उनके करियर में ऐसे दौर आए जब उन्होंने असुरक्षा की भावना महसूस की और उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश की। मैंने लंबे समय से खेल रहा हूं ऐसे में मुझे अच्छे प्रदर्शन को लेकर खुद को लगातार याद दिलाने की जरूरत होती हैं।

वुलफार्ट और गार्डनर ने दिलाई गुजरात जायंट्स को जीत

●दिल्ली कैपिटल्स को 11 रनों से हराया

लॉरा वुलफार्ट और एशलीग गार्डनर के अर्धशतकों की मदद से गुजरात जायंट्स ने गुरुवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स 11 रन से हराकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 147 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली की टीम 18.4 ओवर में एक 136 रन पर आउट हो गई। दिल्ली की यह पांच मैचों में दूसरी हार है। गुजरात की तरफ से वुलफार्ट ने 45 गेंदों पर 57 रन बनाए जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल है। गार्डनर ने 33 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से नाबाद 51 रन की पारी खेली। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। इनके अलावा हरलीन देओल ने 33 गेंदों पर 31 रन बनाए। दिल्ली की तरफ से जेस जॉनासन ने 38 रन देकर दो विकेट लिए। दिल्ली के चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें मारिजान काप ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। अरुंधति रेड्डी ने आखरी ओवरों में 19 गेंद पर 25 रन बनाकर एक समय गुजरात के पेशानी पर बल ला दिए थे। गार्डनर ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और 19 रन देकर दो विकेट लिए। उनके अलावा किम गार्थ और तनुजा कंवर ने भी दो-दो विकेट हासिल किए। दिल्ली के सामने मुश्किल लक्ष्य नहीं था लेकिन उसने रन गति बनाए रखने के बावजूद नियमित अंतराल में विकेट गवांकर अपने लिए स्थिति जटिल कर दी थी। दिल्ली ने पहले 10 ओवर में 78 रन बनाए लेकिन इस बीच चार विकेट भी गंवाए। शेफाली वर्मा केवल आठ रन बना पाई और तनुजा कंवर (29 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गई। कप्तान मेग लैनिंग ने स्नेह राणा की गेंद पर पगबाधा आउट होने से पहले 18 रन बनाए। एलिस कैपसे ने गार्डनर पर लगातार दो छक्के जमाए लेकिन रन आउट होने से उनकी पारी भी 22 रन तक सीमित रही। जेमिमा रोड्रिग्स केवल एक रन बना कर पवेलियन लौट गई। काप ने एक छोर संभाले रखा लेकिन दूसरी तरफ से विकेट गिरते रहे। काप भी 14वें ओवर में सातवें विकेट के रूप में रन आउट हो गई। काप ने 29 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। अरुंधति ने शिखा पांडे (नाबाद आठ) के साथ मिलकर 35 रन की साझेदारी करके दिल्ली की उम्मीद जगा दी थी। अरुंधति ने 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर एक्स्ट्रा कवर पर कैच किया। तब दिल्ली लक्ष्य से 15 रन दूर था।

स्कोरबोर्ड

गुजरात जायंट्स : सोफिया डंकले का जॉनासन बो काप 04, वुलफार्ट बो रेड्डी 57, देओल का भाटिया बो जॉनासन 31, गार्डनर नाबाद 51, हेमलता का पूनम यादव बो जॉनासन 01, **अतिरिक्त:** 03, **कुल:** (20 ओवर में चार विकेट पर) 147, **विकेट पतन:** I-4, 2-53, 3-134, 4-147, **गेंदबाजी:** मारिजान काप 4-0-24-1, राधा यादव 3-0-23-0, एलिस कैपसे I-0-7-0, शिखा पांडे 3-0-21-0, जेस जॉनासन 4-0-38- 2, पूनम यादव 2-0-7-0, अरुंधति रेड्डी 3-0-25-।

कोहली के संदेश ने जोश से भर दिया: कणिका

मुंबई। प्रतिभाशाली ऑलराउंडर कणिका आहूजा ने कहा कि भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली के साथ बातचीत ने उनका हौसला बढ़ाया जिससे उन्होंने 46 रन की आक्रामक पारी खेल कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में पहली जीत दिलाई। कोहली बुधवार को भारतीय टीम के वैकल्पिक अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए और इसके बजाय यहां मुंबई में डब्ल्यूपीएल में प्रतिस्पर्धा कर रही आरसीबी महिला टीम से मिले।

आरसीबी के जैक्स चोट के कारण आईपीएल से बाहर

इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक बांग्लादेश में सीमित ओवरों की श्रृंखला के दौरान चोटिल होने के कारण इंडियन प्री मियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र से बाहर हो गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने दिसंबर में आईपीएल नीलामी में 3.2 करोड़ रुपए की राशि के साथ 24 साल के जैक्स को टीम में शामिल किया था। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ इंग्लैंड के दूसरे वनडे में क्षेत्ररक्षण के दौरान उनकी मांसपेशियों में चोट लगी थी। इस सप्ताह की शुरुआत में स्कैन (जांच) और विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद उन्हें आईपीएल के आगामी सत्र से हटना पड़ा। इस रिपोर्ट के मुताबिक आरसीबी जैक की जगह टीम में न्यूजीलैंड के माइकल ब्रेसवेल को शामिल करने की कोशिश कर रहा है। ब्रेसवेल आईपीएल नीलामी में एक करोड़ की आधार राशि के साथ शामिल हुए थे लेकिन उनके नाम पर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगाई थी।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के आगामी सत्र के लिए वार्नर को कप्तान बनाया

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज डेविड वार्नर को ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए बृहस्पतिवार को दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान नियुक्त किया गया। टीम के नियमित कप्तान पंत कार दुर्घटना में लगी गंभीर चोट से उबर रहे हैं और वह 31 मार्च से शुरू होने वाले आगामी सत्र में टीम में वापसी नहीं कर पाएंगे। भारतीय हरफनमौला अक्षर पटेल दिल्ली टीम के उप-कप्तान होंगे। उन्होंने पिछले सत्र में भी यह जिम्मेदारी निभाई थी।

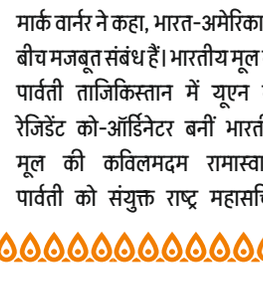

दिल्ली कैपिटल्स ने भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) प्रमुख सौरव गांगुली को फ्रेंचाइजी का क्रिकेट निदेशक बनाने की घोषणा की। गांगुली इससे पहले भी 2019 सत्र के दौरान मेंटॉर की भूमिका में दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े रहे हैं। यहां जारी विज्ञप्ति में वार्नर ने कहा, ऋषभ दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक शानदार कप्तान रहे हैं और हम सभी को उनकी कमी खलेगी।

देश परदेश

बाइडन के करीबी गासेर्टी से कारोबारियों को बड़ी उम्मीदें, आर्थिक लचीलेपन में मिलेगी मदद

भारत में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के करीबी एरिक गार्सेटी की राजदूत के रूप में हुई नियुक्ति से व्यापार जगत में काफी उत्साह है। अमेरिकी व्यापार जगत के नेतृत्वकर्ताओं ने दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने में मदद के लिए इसे अहम बताया। उन्होंने कहा, नियुक्ति से आर्थिक लचीलेपन में मदद मिलेगी।

भारत-अमेरिकी रणनीतिक व साझेदारी फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि गार्सेटी बड़ी छवि वाले व्यक्ति हैं और उनकी भारतीयों के प्रति गहरी समझ है। अघी ने कहा, वह जब दिल्ली पहुंचेंगे तो भारत-अमेरिकी संबंध और आगे बढ़ेंगे। यूएनआईएसपीएफ संगठन ने कहा, गार्सेटी का समर्थन करने पर गर्व है। भारत-अमेरिकी कारोबारी परिषद के अध्यक्ष अतुल केशप ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत हमारे लिए एक अहम भागीदार है, क्योंकि यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक नेतृत्व को मजबूत करना चाहता है। यूएसआईबीसी के प्रबंध निदेशक अलेक्जेंडर स्लेटर ने भी गार्सेटी की नई भूमिका का स्वागत किया। भारत-अमेरिकी रिश्ते बेहद अहम : शूमर भारतीय-अमेरिकियों ने भारत में अमेरिका के राजदूत के तौर पर एरिक गार्सेटी की नियुक्ति का स्वागत करते हुए द्विपक्षीय रिश्तों के प्रसार की उम्मीद जताई। भारत में राजदूत की जरूरत ऐसे समय में पहले से अधिक

महसूस की गई, जब भारत जी-20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है और राष्ट्रपति सहित कई अन्य बड़ी हस्तियों के भारत यात्रा पर जाने की उम्मीद है। सीनेट में सीनेटर चक शूमर ने गार्सेटी के नाम की पुष्टि के तुरंत बाद कहा, भारत-अमेरिकी रिश्ते बेहद अहम हैं। यह अच्छी बात यह है कि अब हमारे पास वहां एक राजदूत है।

प्रभावी दूत साबित होंगे गार्सेटी व्हाइट हाउस व्हाइट हाउस की प्रधान उप प्रेस सचिव ओलिविया डाल्टन ने कहा, राष्ट्रपति बाइडन का मानना है कि भारत के साथ हमारी महत्वपूर्ण साझेदारी है। गार्सेटी एक प्रबल व प्रभावी राजदूत साबित होंगे। सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष सीनेटर मार्क वार्नर ने कहा, भारत-अमेरिका के बीच मजबूत संबंध हैं। भारतीय मूल की पार्वती ताजिकिस्तान में यूएन की रेजिडेंट को-ऑर्डिनेटर बनीं भारतीय मूल की कविलमदम रामास्वामी पार्वती को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरस ने ताजिकिस्तान में यूएन की 'रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर' नियुक्त किया है। पावर्ती ने तुर्किये और अफगानिस्तान में विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन में अहम भूमिका निभाई थी। प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया, पार्वती ने ताजिकिस्तान में पद संभाल लिया। दुजारिक ने कहा, हम अपने 130 'रेजिडेंट को-ऑर्डिनेटर' की नियुक्ति के मामले में पूर्ण लैंगिक समानता बनाए रखने को लेकर अडिग हैं।

रत्ना पाठक के 'दल' वाले बयान पर भूमि पेडनेकर का पलटवार

वेटरन एक्ट्रेस रत्ना पाठक शाह ने हाल ही में सितारों को दल के साथ बुलाया और उनकी तुलना तीन महीने के बच्चे से कर दी। एक्ट्रेस ने कहा कि ये ठीक वैसे ही हैं जो अपना कॉफी कप भी नहीं पकड़ सकते। रत्ना ने कंपैनियन में कहा कि उन्होंने कई अच्छे स्टार्स के करियर को इंडस्ट्री व्यवसाय के प्रतिकूल रूप से प्रभावित होते देखा है। वहीं अब रत्ना के बयान पर भीड़ एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का बयान भी सामने आ गया है। भूमि ने कहा है कि यह हर एक व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह कितना जमीनी बनना चाहता है। भूमि पेडनेकर ने रत्ना पाठक शाह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह इस बारे में अधिक है कि आप बाहरी दुनिया से कितने अलग हैं। मैं अपने सेट के बीच में एक कुर्सी पर बैठी हो सकती थी और फिर भी किसी से बात नहीं कर सकती थी, या मैं अपनी वैन में हो सकती थी जिसे मैं तैयार होने के लिए इस्तेमाल करती थी। सभी के विचारों का सम्मान किया जाता है लेकिन मुझे लगता है कि हर पीढ़ी के साथ... यह हम पर निर्भर करता है कि हम अपने क्राफ्ट से कैसे जुड़े रहना चाहते हैं, हम कैसे जमीन से जुड़े रहना चाहते हैं। भूमि पेडनेकर ने अपनी पीढ़ी को दी गई वैनिटी वैन के विशेषाधिकार को स्वीकार किया और कहा, मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करती हैं कि हमारे पास उस तरह का स्थान है जो शायद पहले की पीढ़ियों में बहुत से लोगों को नहीं मिला। इसके साथ ही भूमि ने वैन को सुरक्षित बताया। भूमि ने कहा, यह आपके आसपास एक लोकतांत्रिक वातावरण बनाने के बारे में है, जो आपको जमीन से जोड़े रखता है। बताते चलें कि भूमि पेडनेकर इन दिनों राजकुमार राव के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म भीड़ के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी बीच राजकुमार राव ने भी रत्ना पाठक शाह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे अभी भी सड़क के किनारे खाना खाना पसंद है। मैं सिर्फ इसलिए अपना जीवन जीना बंद नहीं करना चाहता क्योंकि मैं एक एक्टर हूं।

बैक-टु-बैक फ्लॉप से डरे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार का समय कुछ सही नहीं चल रहा है। एक्टर की सम्राट पृथ्वीराज, राम सेतु और बच्चन पांडे जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रहीं। इतना ही नहीं अक्षय की साल 2022 के अंत में रिलीज हुई मूवी सेल्फी भी बुरी तरह पिट गई। फिल्मों के फ्लॉप होने के ग्राफ को देखते हुए अक्षय कुमार डर गए हैं। एक्टर ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक ओह माय गॉड 2 को पर्दे पर रिलीज ना करने का फैसला किया है। अब ये कहां रिलीज होगी आइए जान लेते हैं- अक्षय कुमार को बॉलीवुड इंडस्ट्री का खिलाड़ी भी कहा जाता है। अभिनेता अपनी फिल्मों के साथ दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचना बखूबी जानते हैं। अक्षय ने अपने करियर में कई ब्लॉक बस्टर फिल्में दी हैं। हालांकि, बीते साल से फ्लॉप फिल्मों के मामले में एक्टर का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। इसी को देखते हुए खिलाड़ी कुमार ने अपनी सुपरहिट फिल्म ओह माय गॉड के सीक्वल ओह माय गॉड 2 को बॉक्स ऑफिस के बजाए ओटीटी पर रिलीज करने का फैसला किया है। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार स्टारर ओह माय गॉड 2 के निर्माता डायरेक्ट-टू-डिजिटल रिलीज के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। आगामी सीक्वल के निर्माता इसे वूट या जियो पर रिलीज करने का विकल्प चुन रहे हैं। हालांकि, अबतक इसकी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। ओह माय गॉड 2 की बात करें तो इसे अमित राय निर्देशित कर रहे हैं। साथ ही अश्विन वर्दे और अक्षय कुमार इसके प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ पंकज त्रिपाठी, अरुण गोविल और यामी गौतम जैसे सितारे लीड रोल में नजर आएंगे। ओह माय गॉड 2 साल 2012 की आई फिल्म ओह माय गॉड का सीक्वल है। ये मूवी पर्दे पर आते ही छा गई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा कलेक्शन किया था। रिपोर्ट है कि ओह माय गॉड 2 की कहानी इंडियन एजुकेशन सिस्टम पर बेस्ड होगी।

रेखा ने की रानी मुखर्जी की जमकर तारीफ

रानी मुखर्जी अभिनीत श्रीमती चटर्जी बनाम नॉर्वे इस शुक्रवार (17 मार्च) को रिलीज हो रही है। फिल्म में रानी की दमदार कलाकारी के लिए मशहूर हस्तियां मुख्य अभिनेत्री की प्रशंसा करते नहीं थक रही हैं। फिल्म निर्माता करण जौहर द्वारा इसे रानी मुखर्जी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कहा गया था। अब प्रसिद्ध और दिग्गज अभिनेत्री रेखा ने भी दिल खोल कर रानी मुखर्जी की तारीफ की है। मुंबई में फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गयी थी। इस दौरान रेखा ने रानी की फिल्म देखी। उन्होंने फिल्म की जमकर तारीफ की और फिल्म को दिल को झकझोर कर रख देने वाली बताया। उन्होंने रानी मुखर्जी की प्रशंसा की और कहा यह फिल्म दुनिया को देखने के लिए है कि आखिर मदर इंडिया क्या है। फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग देखने के बाद रेखा ने कहा, श्रीमती चटर्जी बनाम नॉर्वे, प्राणपोषक और दिल को झकझोरने वाली थी, मैं शुरू से ही अपनी सीट के किनारे पर बैठी थी। गतिशील प्रदर्शन को देखना एक परम आनंद था। एक माँ की इस बंगाल टाइग्रेस की जो अपने बच्चों के लिए जी जान से लड़ती है। यह फिल्म दुनिया को यह देखने के लिए है कि मदर इंडिया क्या है! स्क्रीनिंग के बाद रेखा ने रानी की तारीफों के पुल बांधें। उन्होंने कहा इस बार रानी ने सनातन मां की भूमिका में खुद को पार कर लिया है। दुर्गा मां के सभी चेहरों का चित्रण... परम मां, अनगिनत बार देखने लायक एक गहन प्रदर्शन! वह आग से गुजरती हैं, सीधे हमारे शरीर से दिल में जगह बनाती है! स्क्रीनिंग के बाद रेखा और रानी ने शटरबग्स को पोज दिए। रानी ने पीले रंग की शर्ट पहनी थी जबकि रेखा ने पेस्टल रंग की ड्रेस पहनी थी। दूसरी ओर करण जौहर ने रानी मुखर्जी की फिल्म के ट्रेलर को फिर से साझा किया और कहा कि यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एक लंबे नोट में उन्होंने लिखा, मुझे इस दिल दहला देने वाली और अत्यधिक साहसी फिल्म को देखने का सौभाग्य मिला है। दिल पर हाथ रखकर यह रानी मुखर्जी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, यह कहने के लिए कि वह पूरी तरह से उत्कृष्ट हैं, अभी भी पूरी तरह से एक पीड़ा के अपने चित्रण का वर्णन नहीं कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा था कि मुझे नहीं लगता कि इस दुनिया में कोई भी माता-पिता है जो बहुत अधिक प्रभावित नहीं होगा और फिर इस शानदार फिल्म को देखने में साबित नहीं होगा।

यो यो हनी सिंह की डॉक्युमेंट्री का टीजर रिलीज

ऑस्कर विजेता गुनीत मोंगा के साथ मोजेज सिंह निर्देशित

यो यो हनी सिंह पर बन रही डॉक्यूमेंट्री पर जब मोजेज सिंह ने हाल ही में घोषणा की तो उन पर सभी कैमरे और माइक चालू कर दिए हैं। ठीक उसी समय जब दर्शक घोषणा के बारे में चर्चा कर रहे थे, डॉक्यूमेंट्री का टीज़र जारी किया गया। डॉक्यूमेंट्री का टीज़र दर्शकों को इस बात की झलक दिखाई है कि डॉक्यूमेंट्री में क्या उम्मीद की जा सकती है। निर्देशक ने अपने सोशल मीडिया पर कैप्शन के साथ साझा किया, तैयार हो जाइए हमारे पसंदीदा देसी कलाकार द्वारा सम्मोहित होने के लिए! यो यो हनी सिंह की डॉक्यूमेंट्री जल्द ही नेटफ्लिक्स पर आ रही है। अपनी पहली डॉक्यू-फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा, इस डॉक्यूमेंट्री फीचर को निर्देशित करना मेरे लिए सबसे रोमांचक सफर रहा है, क्योंकि यह मेरी पहली डॉक्यू-फिल्म है। इसने मुझे एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने पूरे दूसरे पहलू को एक्सप्लोर करने की अवसर दी है। हनी सिंह एक असाधारण रूप से दिलचस्प व्यक्ति हैं और उनके बहुत ही अनोखे जीवन की कहानी के साथ मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं। मैं दुनिया को उन्हें खोजने और असली जिंदगी देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। मैं बहुत आभारी हूं मुझे यह शानदार अवसर देने के लिए सिख्या और नेटफ्लिक्स को। टीज़र में यो यो हनी सिंह के कुछ शानदार वन लाइनर्स हैं जो दर्शकों को उनके गानों में भी बहुत पसंद आ रहे हैं। यह उनके संगीत कैरियर में प्राप्त सम्मानों को भी दर्शाता है जो एक रैपर के रूप में उनकी उत्साह को दर्शाता है। हम उन्हें एक क्लिप में विभिन्न संगीत कार्यक्रमों में अपने प्रशंसकों के साथ गाते हुए भी देख सकते हैं। इतने कीमती पलों के साथ, यह डॉक्यूमेंट्री निश्चित रूप से एक रोमांचक फिल्म है जिसका फिल्म प्रेमी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस डॉक्युमेंट्री से पहले, मोजेज सिंह ने ह्यूमन सीरीज में अपनी ईगल-आई विजन के लिए काफी प्रशंसा बटोरी थी

शेखर कपूर की व्हाट्स लव गॉट टु डू विद इट कई देशों में बॉक्स-ऑफिस पर छाई

फिल्म निर्माता शेखर कपूर अपनी विश्व स्तर पर पसंद की जाने वाली क्रॉस-कलचर ब्रिटिश रोमांटिक कॉमेडी व्हाट्स लव गॉट टू डू विथ के लिए शहर में चर्चा का विषय रहे हैं, जिसे कई देशों में अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली और अब यह 17 मार्च 2023 को भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म को कई फिल्म समारोहों में दिखाया गया है और पुरस्कार भी जीत रही है। व्हाट्स लव गॉट टू डू विद इट 24 फरवरी को यूके में रिलीज़ हुई और इसने न केवल लगभग 3द्व बिजनेस किया, तथा दर्शकों प्रतिक्रियाएं भी कमाल की है और वे कह रहे हैं कि फिल्म एक बड़ी झप्पी जैसी लगती है। कपूर हालांकि फिल्म की लोकप्रियता का श्रेय देते हुए कहते है हमने लंबे समय से ऐसा कुछ नहीं देखा है। और यह कोविड से भावनात्मक हैंगओवर है। स्टूडियोज ने फिल्म के यू.एस. और कनाडा के अधिकार हासिल कर लिए हैं, ताकि इसे वहा भी रिलीज किया जा सके। कपूर यकीनन दुनिया के बेहतरीन कहानीकारों में से एक हैं। बाफ्टा अवार्ड, फिल्मफेयर, पद्म श्री और अन्य जैसे अनगिनत प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किए है।

इंडियास एशियन वीमेंस फिल्म फेस्टिवल में द. कोरिया की 10 एनिमेशन फिल्में

राजधानी में चल रहे 18वें आईएडब्ल्यू आरटी इंडियास एशियन वीमेन्स फिल्म फेस्टिवल मे 20 देशों से महिलाओं द्वारा निर्मित 50 फिल्मे दिखलाई जाएंगी। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर चलने वाले इस फेस्टिवल में साउथ कोरिया, इंडोनेशिया, फिलपिन्स, बांग्लादेश, ईरान, श्रीलंका, इसराइल, भारत व् अन्य देशों के लघु फिल्म, गेमिंग सेशन, एक्सहिबिशन के साथ और भी बहुत कुछ देखा जायेगा। फिल्म फेस्टिवल में श्रीलंका के फिल्म निर्माता सुमित्रा पेरिस को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी देंगे। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण साउथ कोरिया की

चयनित 10 एनिमेशन फिल्मे होंगी। फिल्म फेस्टिवल में कोरियाई क्यूरेटर, सुश्री यू जिन चोई ने एनिमेटेड फिल्में द्वारा स्वदेशी कहानी प्रदर्शित करती हैं। फिल्म निर्माता लघु आत्मकेंद्रित फिल्मों के माध्यम से व्यक्तिगत दृष्टिकोणों का पर बल देते हैं। इनमें पितृसत्तात्मक पदानुक्रम की साहसपूर्वक आलोचना करना, रुढ़िवादिता पर सवाल उठाना और व्यक्तिगत और सार्वजनिक दोनों चिंताओं को प्रतिबिंबित करना है। फाइंडिंग हर वे को सुश्री यू-जिन चोई, नीना सबनानी और अनीता बालाचंद्रन ने क्यूरेट किया, जो समारोह में दक्षिण कोरियाई महिलाओं की ओर से हाल ही में लघु फिल्मों का चयन किया गया है। अधिकांश फिल्में संरचना का उपयोग करती हुई दिखती हैं, लेकिन उनकी शैली में भिन्नता है क्योंकि प्रत्येक निर्देशक एक विशिष्ट दृष्टिकोण विकसित करने के लिए एनीमेशन की परिवर्तनशीलता को प्रदर्शित करता है। वे खास तौर पर याद की गयी अंतरंगताओं और चुनौतियों से लेकर साझा जीवन और इतिहास तक कई विषयों में तल्लीन हैं।

विकी कौशल और सान्या मल्होत्रा ने टीम के साथ मनाया जश्न

विकी कौशल और सान्या मल्होत्रा की आने वाली फिल्म सैम बहादुर की शूटिंग पूरी हो गयी। फिल्म जल्द ही रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग खत्म होने के दौरान पूरी टीन ने साथ में जश्न बनाया। सैम बहादुर रैप अप बैश में विकी कौशल और सान्या मल्होत्रा ने टीम के साथ मनाया जश्न मनाया। सैम बहादुर कास्ट विक्की कौशल, सान्या मल्होत्रा, और फातिमा सना शेख ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट की रैप अप पार्टी में शिरकत की।

सैम बहादुर रैप अप बैश

यह सैम बहादुर के लिए एक रैप है। मेघना गुलज़ार निर्देशित राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता विक्की कौशल की सबसे आशाजनक फिल्मों में से एक है। यह भारत के सबसे महान युद्ध नायकों में से एक सैम मानेकशॉ के बारे में एक आत्मकथात्मक नाटक है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और टीम ने मंगलवार रात मुंबई में रैप अप बैश के साथ इसका जश्न मनाया। पार्टी में डायरेक्टर मेघना, लीड स्टार कास्ट विक्की कौशल, सान्या मल्होत्रा, फातिमा सना शेख और अन्य लोग शामिल हुए।

विक्की कौशल

विक्की कौशल, जो सैम मानेकशॉ की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, ने कैजुअल पोशाक पहनी थी। उन्होंने सफेद स्नीकर्स और एक काली टोपी के साथ लुक को पूरा करते हुए रिप्ड जींस और एक काले हुड वाले स्वेटर में तस्वीरें खिंचवाईं।

सान्या मल्होत्रा

सान्या मल्होत्रा सैम मानेकशॉ की पत्नी सिल्लू मानेकशॉ की भूमिका निभाएंगी। मैसी बन और डेवी मेकअप के साथ सफेद रफल्ड ऑफ-शोल्डर ड्रेस में वह बहुत खूबसूरत लग रही थीं।

संस्थानों से स्नातकों के लिए आवश्यक संवारना

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

रेज़र के व्यवसाय में कुछ कंपनियों ने इसे भविष्य के बाज़ार के नुकसान के रूप में और जागरूकता पैदा करने के लिए एक कॉर्पोरेट सामाजिक पहल के रूप में भी देखा है। कंपनियाँ अब ऐसे पेशेवर संस्थानों के साथ जुड़ रही हैं जिनके बैच इंटर्नशिप या कैंपस प्लेसमेंट के लिए तैयार हैं और ग्रूमिंग के महत्व पर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

इन सत्रों को अधिकतर संस्थानों ने सराहा है और ये एक सकारात्मक बदलाव भी ला रहे हैं। एक घंटे का सत्र दर्शकों के साथ सहभागितापूर्ण चर्चा के साथ एक अनौपचारिक संवादात्मक तरीके से तैयार किया गया है। कंपनियां आज जिम्मेदार और स्मार्ट कर्मचारियों को नियुक्त करना चाहती हैं जो प्रस्तुत करने योग्य और तैयार हों। एक धारणा सर्वेक्षण के रूप में यह पाया गया कि एक अच्छी तरह से तैयार व्यक्ति एक ऐसे व्यक्ति की तुलना में अधिक आसानी से प्रशिक्षित और संगठनात्मक आचरण के साथ संरेखण के लिए ग्रहणशील पाया जाता है जो पर्याप्त रूप से तैयार नहीं होता है।

प्रतिस्पर्धी बाजार आज विभेदक कारक की मांग करता है और उन लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करना चाहता है जो संगठन की कार्य संस्कृति नैतिकता का पालन करने के लिए ढाले जा सकते हैं और काम करने के लिए तैयार हैं। कई कॉरपोरेट भी अपने कर्मचारियों में अनुशासन और संस्कृति की भावना पैदा करने के लिए पेशेवरों की सेवाएं ले रहे हैं।

स्नातक अपनी उपस्थिति के बारे में आश्वस्त हैं, क्योंकि कार्यक्रम के संचालन के दौरान अधिकांश संस्थानों द्वारा उनकी उपस्थिति पर शायद ही कभी पूछताछ की जाती है। 'वियर योर एटिट्यूड' कैच वाक्यांश ने छात्रों को आत्म-संवारने के लिए कोई शिष्टाचार नहीं दिया।

आज स्नातक होने वाले लड़कों के बारे में विशेष रूप से मुद्दा यह है कि वे अपनी उपस्थिति के प्रति लापरवाह हैं और इसे एक नए 'कूल लुक' के रूप में लेते हैं। यह कठोर रवैया प्लेसमेंट के अवसर को प्रभावित करता है।

चीन की राजधानी बीजिंग में भारतीय उच्चायुक्त के निवास पर धूमधाम से मनाया गया बसंत मेला - रंगों का उत्सव

सीताराम मेवाती - बीजिंग

रंगों का त्यौहार होली भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देशों में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. चीन में भारत के राजदूत महामहिम श्री प्रदीप रावत ने अपने निवास के प्रांगण में बसंत मेला - रंगों का उत्सव, विशालतम रूप में आयोजित किया. इस कार्यक्रम में लगभग ३००० आगंतुक जिनमें भारतीय ही नहीं बल्कि सैकड़ों विदेशी भी उत्साह पूर्वक सम्मिलित हुए.

इस कार्यक्रम की विशेषता इसलिए भी महत्वपूर्ण है की इसमें सहभागी होने के लिए विश्व के प्रमुख देशों के राजदूत सम्मिलित हुए जिनमें प्रमुखता से संयुक्त राज्य अमेरिका, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका उल्लेखनीय है. इसके अलावा अनेक दूतावास के सैकड़ों कौन्सुलर एवं उच्च अधिकारी भी अपने परिवार संग उपस्थित हुए.

इस कार्यक्रम का आयोजन सुबह दस बजे से शाम के चार बजे तक होना था परंतु आगंतुक इतने उत्साहित थे की सुबह दस बजे से ही कतार में लगने शुरू हो गए थे. प्रवेशद्वार पर सैकड़ों लोगों को कतार में खड़ा देखा जा सकता था. भीड़ होने के बावजूद भी सभी लोग संयम से खड़े थे और प्रवेश करने का इंतज़ार कर रहे थे . दूतावास के अनेकों अधिकारी एवं कर्मचारी आगंतुकों का स्वागत करते देखे गए.

इस आयोजन में भारत के विविध रूप को दर्शाया गया. इस कार्यक्रम में अनेक स्टाल्स बनाये गए थे जिनमे भारत के प्रसिद्ध व्यंजन, मीनाकारी, योग शिक्षा संस्थान के स्टाल, मेहँदी, साड़ी पहनने के तरीकों और कई अन्य प्रकार के स्टाल्स सम्मिलित किये गए थे. हर स्टाल पर भीड़ इकट्ठा थी और उत्सुकतापूर्वक जानकारी ले रहे थे और खरीदी कर रहे थे.

मुझे वसंत मेले के आयोजन में शामिल हो कर एक आत्मीय सुख प्राप्त हो रहा था और प्रतीत हो रहा था कि मैं अपने देश में ही हूँ. जिस प्रकार से देशी व विदेशी आगंतुक इस आयोजन में उत्साहित थे, तब महसूस हुआ कि वाकई में भारत की संस्कृति लोगों को भी रास आ रही है. इस आयोजन देखा जा गया की भारत के विभिन्न राज्यों के फूड स्टालों पर व्यंजनों का स्वाद चखने के लिए आगंतुक उत्साहित थे. इस कार्यक्रम में पंजाबी, दक्षिण भारत, केरल और कई अन्य प्रदेशों के व्यंजन प्रस्तुत किये गए थे और अपने पसंदीदा व्यंजन चखने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा सकती थी.

इस आयोजन के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और नृत्य प्रस्तुत किये गए जिन्हें देख कर आगंतुक मंत्रमुग्ध थे और हर प्रस्तुति के बाद तालियों से सबका मनोबल बढ़ाते. इस कार्यक्रम में मंच पर योग विद्या भी प्रस्तुत की गई जिसे आगंतुकों ने खूब सराहा. योग क्रिया मंचन के दौरान योग गुरु ने चार मेहमानों को मंच पर योग क्रिया करने में सम्मिलित होने को कहा, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से करीब 50 से अधिक मेहमान हिस्सा लेने दौड़े आए. योग क्रिया में युवा से लेकर बुजुर्ग, सभी शामिल थे। मंच पर अपर्याप्त जगह के कारण आयोजकों ने कई मेहमानों को वापस लौटा दिया। यह समां देखने लायक था जब मंच पर सभी ने योग मुद्राएँ करना शुरू किया.

इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए एक राजदूत ने अपने देश की पहचान न बताते हुए कहा, "मैं भारत के होली त्यौहार का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और उसे देखकर और खेलकर मन प्रफुल्लित होता है. मेरे कई कार्यकाल के आज तक मैं जिस किसी देशों में तैनात हुआ हूं मैंने वहां के उच्चायोग द्वारा आयोजित होली महोत्सव में अवश्य उपस्थित रहा हूँ. यह त्यौहार वास्तव में आपको एक दूसरे के साथ एकजुटता और एकात्मता की भावना देता है और इसमें एक सुखद अनुभूति महसूस होती है".

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में कैट एवं झेप उद्योगिनी द्वारा समाज सेविका नारी शक्ति का किया जाएगा सम्मान

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया देश के व्यापारियों की शीर्ष संस्था कैट एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करने वाली संस्था झेप उद्योगिनी द्वारा संयुक्त रूप से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में खासकर व्यापार क्षेत्र एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वाली नारी शक्ति को प्रोत्साहित करने एवं उनके द्वारा किए गए कार्य की सराहना करने के लिए हर साल की तरह इस साल चर्चगेट स्थित क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के सीके नायडू सभागार में आईकॉनिक वुमन अवार्ड 2023 का आयोजन कल १७ मार्च, शुक्रवार शाम 5:00 बजे से किया गया है।झेप उद्योगिनी की संस्थापक अध्यक्षा पूर्णिमा शिरीषकर ने कहा हमने इस वर्ष हमारे इस अवार्ड की व्याप्ति बड़ा दी है। इस वर्ष पांच राज्य की सासी एवं निडर महिलाएं जिन्होंने घर चलाने के साथ अन्य क्षेत्रों में भी अपने सामाजिक एवं व्यवसायिक कामों के बल पर अपनी छाप छोड़ी है ऐसी महिलाओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।शंकर ठक्कर ने आगे बताया इस कार्यक्रम में लिज्जत पापड़ की संस्थापीका जयवंति बेन पोपट,

मुंबई के कलेक्टर एवं मेडिकल एजुकेशन के कमिश्नर राजीव निवटकर, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के चेयरमैन विजय कलंत्री, साउथ अफ्रीका की काउंसलेट जनरल एंड्रिया कुह्न,कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल, विधानसभा सदस्य यामिनी जाधव, शिवसेना उप नेता कला शिंदे, चैरिटी के सह आयुक्त राजेश इंगोले, केवीआईसी महाराष्ट्र के निर्देशक योगेश भामरे,कौशल्य विकास रोजगार व उद्योजक विभाग के सह आयुक्त संतोष राउत उपस्थित रहकर महिलाओं को सम्मानित करेंगे।:

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स,

महाराष्ट्र प्रदेशमहामंत्री : श्री शंकर ठक्कर

चीन ने शुरू की वीजा प्रक्रिया, तीन साल बाद खुले टूरिस्ट के लिए दरवाजे

चीन अपनी सीमाएं पर्यटकों के लिए खोलने वाले प्रमुख अंतिम देशों में से एक है

सीताराम मेवाती - बीजिंग

भारत सहित पूरी दुनिया को जिस घडी का बेसब्री से इंतज़ार था वो आखिरकार आ ही गई. चीन ने कोरोना महामारी के तीन साल पश्चात विदेशी पर्यटकों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं. भारत में चीन की एम्बेसी सहित सभी चीनी कांसुलेट में 15 मार्च से वीजा आवेदन प्रक्रिया शुरू कर हो गई है. यह एक ऐसा कदम है जो देश को दुनिया में फिर से शामिल होने और अपने कोविड प्रतिबंधों को पीछे छोड़ने में मदद करेगा। बीजिंग द्वारा वायरस पर जीत की घोषणा के बाद प्रतिबंधों में ढील दी गई है. चीन सरकार द्वारा की गई घोषणा के तहत 28 मार्च, 2020 से पहले जारी किए गए सभी वैध वीजा धारक विदेशियों को अब चीन में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी. नेशनल इमिग्रेशन एडमिनिस्ट्रेशन ने घोषणा की है कि सीमा पार यात्रा की सुविधा के लिए देश अपनी वीजा और प्रवेश नीतियों को समायोजित कर रहा है।

इसके साथ ही हैनान द्वीप और शंघाई में क्रूज शिप्स के लिए वीजा फ्री एंट्री फिर शुरू कर दी गई है. मंगलवार को चीनी सरकार की ओर से यह ऐलान किया गया है. सभी पर्यटकों को चीन में प्रवेश के लिए यात्रा शुरू होने के पहले आर टी पी सी आर टेस्ट करवाना अनिवार्य होगा.

गौरतलब है कि 28 मार्च 2020 से कोरोना महामारी की वजह से चीन की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं बंद थीं. चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार ने चीन के भीतर भी कोरोना वायरस से लोगों को बचाने के लिए सख्त जीरो कोविड पॉलिसी लागू थी. गौरतलब है कि पर्यटकों के लिए फिर से खोलना एक अत्यधिक प्रतीकात्मक संकेत है, क्योंकि चीन अपने निरंकुश कोविड जीरो शासन को पीछे छोड़ रहा है।

उल्लेखनीय बात यह है की चीन में महामारी से पहले हर साल लाखों अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आते थे, पर्यटन उद्योग को सख्त कोविड विरोधी उपायों से कड़ी टक्कर मिली है। विश्लेषकों के अनुसार, चीन अपनी सीमाओं को फिर से खोलने के बाद अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आवक में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद कर सकता है जिसका फायदा देश की अर्थव्यवस्था को लाभकारी होगा. विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे ही विदेशी पर्यटक चीन में आना शुरू हो जाएंगे, टूरिज्म सेक्टर एक बार फिर पटरी पर लौटने लग जाएगा.

चीन के मुंबई स्थित कौंसल जनरल महामहिम कोंग जियानहुआ ने मुंबई तरंग को जानकारी देते हुए अपने कहा कि, "हमने पिछले साल कुछ वीजा सेवा शुरू की थी जिनमे पर्यटक वीजा शामिल नहीं था. चीन सरकार की घोषणा के पश्चात हमने 15 मार्च, 2023 से चीन की यात्राओं की सुविधा के लिए सभी प्रकार के वीज़ा आवेदनों

को फिर से शुरू कर दिया है. वीजा के सारे नियम कांसुलेट की वेबसाइट पर उल्लेखित कर दी गई है.

गौरतलब है कि चीन में प्रवेश पाबंदी से सरकार के सख्त नियमों का चीन के कई अहम सेक्टरों पर आर्थिक असर देखने को मिला था. साल २०२२ में काफी लोगों ने सरकार की इस पॉलिसी का विरोध करना शुरू कर दिया था. जिसके बाद सरकार की ओर से सख्त नियमों में कई ढील दी गई. चीनी नागरिकों को जिनपिंग सरकार की ओर से एक और छूट दी जाएगी. इस छूट के अनुसार, चीनी नागरिक अब टूर ग्रुप पर 60 देशों की यात्रा कर सकेंगे. जबकि पहले सिर्फ 20 देशों की यात्रा की सिर्फ अनुमति थी.

भारत की परमाणु सहेली डॉ नीलम गोयल को राष्ट्रीय महिला उत्कृष्टता सम्मान 2023

डॉ नीलम गोयल भारत की परमाणु सहेली को नई दिल्ली मैं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 के अवसर पर राष्ट्रीय महिला उत्कृष्टता सम्मान (नेशनल वोमेंस एक्सिलेंस अवार्ड 2023) से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड उनको सशक्त नारी सशक्त भारत अभियान के तहत, राष्ट्रीय महिला पार्लियामेंट और नेशनल हियुमन राइट एम्बेसेडर ऑर्गेनाइजेशन द्वारा शिक्षा व विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिया गया। डॉ नीलम गोयल राजस्थान और गुजरात राज्य में पानी व बिजली के क्षेत्र में कार्य कर रही है ।परमाणु सहेली का मिशन है कि सम्पूर्ण भारत को पानी वि बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जाए।

बेस्ट ने शुरू की मुंबई से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से फ्री प्रेस हाउस तक नई वातानुकूलित बस सेवा ए -100

सीताराम मेवाती - मुंबई

नरीमन पॉइंट स्थित फ्री प्रेस हाउस से मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से बस सेवा शुरू करने की यात्रियों द्वारा लगातार मांग की जा रही थी। यात्रिओं की मांग और सुविधा के मद्देनजर, बेस्ट प्रशासन ने मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से फ्री प्रेस हाउस तक नयी बस रूट को दौड़ाने का निर्णय लिया है. यह बस शुक्रवार, दिनांक 17 मार्च 2023 से इसकी शुरुआत की गई है जो की वातानुकूलित है और इसका रूट नंबर ए -100 है.

यह नयी बस सेवा का मार्ग निम्नलिखित है. यह बस मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से शुरू होकर डॉ. दादाभाई नौरोजी मार्ग होते हुए हुतात्मा चौक, अहिल्याबाई होलकर चौक (चर्चगेट) - हुतात्मा राजगुरु चौक (मंत्रालय), फ्री प्रेस जर्नल मार्ग होते हुए फ्री प्रेस हाउस पर समाप्त होगी.

इस नए रूट पर बस सेवा सोमवार से शनिवार (सार्वजनिक अवकाश सहित) संचालित की जाएंगी। इस बस की समय सारणी इस प्रकार से है. यह बस मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से पहली बस सुबह 8.00 बजे रवाना होगी और इसकी अंतिम फेरी रत को 20.45 पर होगी. इसी प्रकार से यह बस फ्री प्रेस हाउस से पहली बस सुबह 8.15 को छूटेगी और आखिरी बस रात को 21.00 छूटेगी.

एक दैनिक यात्री राजेंद्र चोपड़ा जो नियमित रूप से इस मार्ग पर सफ़र करते हैं, उन्होंने बहुत खुश हो बेस्ट प्रसाशन का धन्यवाद किया. उन्होंने कहा की इस परिसर के हजारों लोग इस मार्ग पर चलते हैं लेकिन डायरेक्ट बस सेवा न होने के कारण बहुत कठिनाई होती थी. कोई बात नहीं, नयी बेस्ट बस सेवा भले ही देर से आई हो, लेकिन दुरुस्त आई है. बेस्ट की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बेस्ट प्रशासन ने इस बस सेवा का लाभ यात्रियों से निवेदन किया है.

61 नई इलेक्ट्रिक बसों से वसई-विरार में बेहतर होगी ट्रांसपोर्ट सेवा

मुंबई:वसई-विरार महानगरपालिका ने शहर में ट्रांसपोर्ट सेवा को बेहतर करने के लिए महाराष्ट्र की एकनाथ शिदे सरकार से इलेक्ट्रिक बसों की मांग की है। परिवहन सेवा के सहायक आयुक्त विश्वनाथ तलेकर में बताया कि जल्द ही यहां 61 नई इलेक्ट्रिक बसें आने वाली हैं, जिससे यहां की जनता को काफी फायदा मिलेगा। मनपा परिवहन सेवा में 32 रूटों पर सिर्फ 103 बसें चल रही हैं। बसें कम होने से लोगों को काफी परेशानी होती है। बस नहीं होने का फायदा यहां के ऑटो चालक उठाते हैं, जो यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। लोगों की मांग के कब बाद मनपा ने राज्य सरकार से इलेक्ट्रिक बसों की मांग की थी, जिसे राज्य सरकार ने लगभग मंजूरी दे दी है। तलेकर ने कहा कि अप्रैल तक नई बसें आने की संभावना है।

पत्रकार व पीआरओ संजय शर्मा राज का हृदयाघात से निधन

मुम्बई। संजय शर्मा 'राज' (पीआरओ व पत्रकार) का 13 मार्च 2023 की रात अकस्मात निधन हो गया। मीरा रोड में कनकिया पार्क स्थित उनके निवास पर रात्रि के समय हार्ट अटैक आया जिससे उनकी हालत बिगड़ने लगी फिर उन्हें वोकहार्ड हॉस्पिटल ले गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। संजय शर्मा 54 वर्ष के थे और उनके अकस्मात मृत्यु से पूरा परिवार शोकाकुल है। जौनपुर उत्तरप्रदेश के रहने वाले संजय एक सम्पन्न परिवार से ताल्लुक रखते थे। मुम्बई में उनके पिता एक व्यवसायी थे लेकिन उन्होंने पत्रकारिता को अपना कैरियर चुना। 1992 में वह वीडियो बूम ट्रेड मैगज़ीन और अंधेरी टाइम्स अखबार में स्वतंत्र लेखक के रूप जुड़े। फिर उसके बाद बॉम्बे आय, निर्भय पथिक,अमर उजाला, दैनिक भास्कर, चतुरंग भारत, पंजाब केसरी, चौथा संसार, अमरदीप जैसी विभिन्न पत्र पत्रिकाओं के लिए लेखन करते रहे। संजय शर्मा फिल्म, टीवी की ओर आकर्षित हुए और बतौर पीआरओ कई फिल्मों एवं धारावाहिकों के मीडिया प्रभारी रहे।

शिल्पा शिंदे (भाभीजी घर पर है) और चिता यजनेश शेट्टी के भी वे पर्सनल पीआरओ रहे हैं। खजाना विजन न्यूज सर्विस के अंतर्गत संजय कई समाचार पत्रों व वेब पोर्टल को अच्छे अच्छे कंटेंट उपलब्ध कराते थे।हसमुख व मिलनसार स्वभाव के संजय ने अपने जीवनकाल में बहुत उतार चढ़ाव का सामना किये। वह पत्रकारिता जगत के अपने सभी साथियों का सम्मान करते थे। संजय अपने पीछे एक पुत्री और दो पुत्र छोड़ गये।ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।

महाराष्ट्र-कर्नाटक का झगड़ा अब जाएगा अमित शाह की 'कोर्ट' में?

बेंगलुरु/बेलगावी: कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने महाराष्ट्र की सीमा से लगे कर्नाटक के गांवों में स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले की आलोचना की। बोम्मई ने गुरुवार को कहा कि वह इस मुद्दे को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने उठाएंगे। दरअसल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र ने हाल ही में घोषणा की कि वह अपनी 'महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना' के लिए अतिरिक्त 54 करोड़ रुपये आवंटित करेगी ताकि उन सीमावर्ती गांवों तक उसका दायरा बढ़ाया जा सके जिन पर महाराष्ट्र दावा करता रहा है। कर्नाटक सीएम बोम्मई ने पत्रकारों से कहा कि मैं महाराष्ट्र सरकार की ओर से हमारे गांवों में स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की घोषणा की कड़ी निंदा करता हूं, क्योंकि यह उस समझौते का उल्लंघन करता है, जिस पर हम अमित शाह की उपस्थिति में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि सोलापुर और सांगली के सीमावर्ती जिलों में कई तालुक पंचायतों और ग्राम पंचायतों ने कर्नाटक में शामिल होने के लिए प्रस्ताव पारित किया था क्योंकि महाराष्ट्र में उन्हें न्याय नहीं मिल रहा था। ऐसे में मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार को जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए। अमित शाह के सामने क्या हुआ था ? पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय गृह मंत्री ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा तनाव को कम करने के लिए दखल दिया था। उन्होंने दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच एक बैठक बुलाई थी और बाद में कहा कि दोनों इस बात पर सहमत हुए हैं कि जब तक सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर फैसला नहीं कर लेता, तब तक वे सीमा मुद्दे पर कोई दावा नहीं करेंगे। बड़ा और अक्षम्य अपराध: बोम्मई सीएम बोम्मई ने कर्नाटक के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के लिए स्वास्थ्य कवर बीमा की घोषणा को एक बड़ा और अक्षम्य अपराध बताया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार के आदेश को वापस लिया जाना चाहिए।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।